राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :194 रांची (झारखंड) शुक्रवार,25 अप्रैल 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

नौसेना ने युद्धपोत सूरत से अरब सागर में दागी मिसाइल, सीधे लक्ष्य पर लगा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने गुरुवार सुबह युद्धपोत आईएनएस सूरत से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) सफलतापूर्वक दागी। इससे जहाज रोधी मिसाइलों को संलग्न करने की क्षमता प्रमाणित हुई है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में किया गया। मिसाइल ने हवाई लक्ष्यों को रोक दिया और दोनों सीमाओं पर सीधे हिट करते हुए उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस सूरत ने आज अरब सागर में स्थित एक लक्ष्य पर 70 किलोमीटर की अवरोधन सीमा वाली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। हवाई रक्षा के लिए एमआरएसएएम हर मौसम में 360 डिग्री पर काम करने वाली हवाई रक्षा प्रणाली है, जो किसी भी संघर्ष क्षेत्र में विविध तरह के खतरों के खिलाफ संवेदनशील क्षेत्रों की हवाई सुरक्षा करेगी। इस प्रणाली को डीआरडीओ और इजरायली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना ने स्वदेशी युद्धपोत क्षमताओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में स्थित एक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक हमला किया है, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह क्षमता स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और

संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह उपलब्धि देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति समर्पण का प्रमाण है। एमआरएसएएम का वजन करीब 275 किलोग्राम, लंबाई 4.5 मीटर और व्यास 0.45 मीटर है। इस मिसाइल पर 60 किलोग्राम तक हथियार लोड किए जा सकते हैं। यह मिसाइल दो स्टेज की है, जो लॉन्च होने के बाद कम धुआं छोड़ती है। एमआरएसएएम एक बार लॉन्च होने के बाद 70 किलोमीटर के दायरे में आने वाली किसी भी मिसाइल, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और निगरानी विमानों को मार गिराने में पूरी तरह से सक्षम है। यह 2469.6 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दुश्मनों पर प्रहार और हमला कर सकती है। भारत डायनामिक्स लिमिटेड में निर्मित एमआरएसएएम से नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत'के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई है। भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी। मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली बराक-8 मिसाइल प्रणाली (एमआरएसएएम) को भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। यह आकाश के बाद दूसरा मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है।

एफआईआईटी जेईई के मालिक के गुरुग्राम, दिल्ली व नोएडा के ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह एफआईआईटी जेईई कोचिंग सेंटर के मालिक डीके गोयल के सेक्टर-44 स्थित कोचिंग सेंटर के अलावा नोएडा और दिल्ली सहित आठ ठिकानों पर छापेमारी की है।गोयल पर आरोप है कि एफआईआईटी जेईई कोचिंग सेंटर के छात्रों से वसूल किए गए रुपये को निजी फायदे के लिए दूसरी कंपनियों में लगाया गया है। गुरुवार को ईडी की टीमों ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कोचिंग सेंटर के मालिकों और प्रमोटरों से जुड़े गुरुग्राम, नोएडा और दिल्ली सहित आठ ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। यूपी और दिल्ली में कई एफआईआर दर्ज होने के बाद यह एक्शन लिया गया है। ईडी की तरफ से छापामारी को लेकर कोई अधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है, लेकिन बताया जा रहा है कि सुबह 6 बजे से ईडी के अधिकारी दस्तावेज खंगालने के साथ पूछताछ कर रहे हैं। फीस के रूप में वसूले गए पैसों का कहां-कहां लगाया गया है इसकी जांच ईडी कर रही है। दरअसल, एफआईआईटी जेईई के जनवरी में अचानक सेंटर बंद हो गए। सेंटर बंद होने से छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। अभिभावकों का आरोप है कि कोचिंग सेंटर के मालिक और प्रमोटरों ने कोचिंग के नाम पर मोटी रकम वसूली और उस पैसे को अपने फायदे के लिए दूसरी कंपनियों में निवेश कर दिया।

पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश, दिल्ली के पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश के लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ काफी रोष है। दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लोगों ने गुरुवार को जमकर नारे बाजी की। दिल्ली के कोने-कोने से लोग यहां पहुंचे थे और प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस बीच आतंकवाद विरोधी कार्य मंच और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया और पाकिस्तान के नाम के प्लेकार्ड को जलाकर अपना विरोध प्रकट किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। महिलाओं के हाथों में पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर भी देखे गए। इस मौके पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन, भाजपा के कई विधायक भी मौजूद थे। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमारी मांग है कि पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित किया जाए। दिल्ली में भाजपा आज भारत के 140 करोड़ लोगों के दिलों में जो भावनाएं हैं, उन्हें व्यक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान को बताना चाहते हैं कि अब वह सीमा पार आतंकवाद को जारी नहीं रख सकता। भारत सरकार और हमारी सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी।

खसरा-रूबेला के खिलाफ देशव्यापी अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को शून्य खसरा-रूबेला अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया और इसकी आईईसी सामग्री जारी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि जनवरी से मार्च 2025 तक देश के 322 जिलों में खसरे का और 487 जिलों में रूबेला का भी कोई मामला नहीं आया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल खसरे और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण अभियान नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने का एक तरीका है। उन्होंने निगरानी के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को देश में खसरे और रूबेला के प्रत्येक मामले की निगरानी करनी चाहिए और एक भी मामला अनदेखा नहीं रहना चाहिए। नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को खसरे और रूबेला के खिलाफ देश में किए गए काम के लिए चैंपियन का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने राज्य मंत्रियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से सार्वजनिक और प्रेस बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया, जहां सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से लोगों को टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने राज्यों से खसरा और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी विधायकों, सांसदों, स्थानीय और पंचायत प्रमुखों की भागीदारी का भी आह्वान किया।

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया, मिलेगी कल्पना से भी बड़ी सजा : मोदी

भारत हर आतंकवादी की पहचान करेगा, उसे खोजेगा और सजा देगा : पीएम मोदी

एजेंसी

मधुबनी। प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया और देश की 140 करोड़ आबादी की इच्छाशक्ति के संबल से दहाड़ते हुए आज कहा कि अब आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और आतंकियों एवं साजिशकर्ताओं को ऐसी सजा मिलेगी जो उनकी कल्पना से भी बड़ी होगी।श्री मोदी ने यहां झंझारपुर के लोहना पंचायत में पंचायती राज स्थापना दिवस पर आयोजित सभा में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची खुची

जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।श्री मोदी ने बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूरी दुनिया को एक सशक्त संदेश दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा, भारत हर उस आतंकवादी और उसके संरक्षक को पहचानेगा, ढूंढेगा और सजा देगा, जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देता है। भारत आतंकवादियों को धरती के अंतिम कोने तक खदेड़ेगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी और आतंकियों को उचित दंड मिलेगा। उन्होंने कहा, मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों की जनता और नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जो इस मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़े हैं। श्री मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार के लोगों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ्य हों इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है।

हिंदूओं को जानबूझकर निशाना बनाना, पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिशः सीडब्ल्यूसी

रात को ही माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। सीडब्ल्यूसी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 पर्यटकों की जान गई। बैठक में इस कायरतापूर्ण हमले के खिलाफ शांति और एकजुटता की अपील की गई। सुरक्षा चूकों की जांच और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में कांग्रेस ने बताया। कांग्रेस कार्य समिति 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त करती है। इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से

अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्य समिति शोक संतृप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है और इस गहन पीड़ा की घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ी है। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान में रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना, पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिश थी। हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्य समिति शांति की अपील करती है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कांग्रेस कार्य समिति स्थानीय पोनी वाले और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

अटारी-बाघा बॉर्डर से भारत ने वापस लौटाए पाकिस्तानी नागरिक

एजेंसी

चंडीगढ़। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध लिए गए फैसलों का असर गुरुवार को अटारी बाघा बॉर्डर पर देखने को मिला। पाकिस्तान की तरफ से वीजा लेकर भारत में भ्रमण के लिए आने वाले किसी भी नागरिक को भारत में प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं इधर से जाने वाले 42 पाकिस्तानी नागरिकों को पूछताछ के बाद अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया। दोनों देशों के बॉर्डर पर अटारी सीमा भारत के अधिकार क्षेत्र में आती है, जबकि बाघा सीमा पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में आती है। सामान्य की दिनों की भांति गुरुवार की सुबह करीब 11ः00 बजे पाकिस्तान की तरफ से 100 से अधिक यात्री भारत में घूमने के लिए अटारी बघा सीमा पर पहुंचे थे। इन पाकिस्तानी नागरिकों को भारत सरकार के लिए गए फैसले के बारे में

जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद भारतीय सैन्य अधिकारियों ने उन्हें नए फैसले से अवगत कराते हुए भारत में प्रवेश देने से इनकार कर दिया पाकिस्तान सरकार की तरफ से अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है।

'हम एनडीए के साथ हैं और आगे भी रहेंगे', नीतीश कुमार ने फिर दिया भरोसा

● 'बिहार में राजद और उनके सहयोगियों की सरकार थी तो जनता की भलाई के लिए उन लोगों ने कुछ नहीं किया।'

एजेंसी

मधुबनी । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एक बार फिर भरोसा दिया कि वह अब भाजपा को छोड़कर राजद के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने मधुबनी के झंझारपुर में पंचायती राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) 2005 में राजद के खिलाफ ही लड़ी थी और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। पंचायती राज दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 13,480 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कई रेल परियोजनाओं की भी सौगात बिहारवासियों को दी।इस मौके पर

आयोजित रैली को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बीच में गड़बड़ी हो गई थी, लेकिन अब कभी भी महागठबंधन में या राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव और कांग्रेस की टीम के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी वालों ने बीच में गड़बड़ कर दिया। अब हम लोग कभी उनके (महागठबंधन के) साथ नहीं जा सकते हैं क्योंकि सबने बहुत गड़बड़ किया है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमलों पर दुख जताते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में कई लोगों की हत्या हुई। यह घटना काफी दुखद और निंदनीय है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश आतंक के खिलाफ एकजुट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बिहार में राजद और उनके सहयोगियों की सरकार थी तो जनता की भलाई के लिए उन लोगों ने कुछ नहीं किया। 2005 के नवंबर-दिसंबर में एनडीए की सरकार बनी।

पहलगाम आतंकी हमलाः शुभम द्विवेदी के परिवार से मिले सीएम योगी

कहा- सरकार आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करेगी

एजेंसी

कानपुर । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके आवास पर भेंट की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर आतंकियों को नेस्तनाबूत करेगी। सीएम योगी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। सीएम ने इस हमले को क्रूर, कायराना और विभत्स कृत्य करार दिया।उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में हर जगह इस घटना की निंदा हो रही है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर हमला करके बहन-बेटियों

के सिंदूर को उजाड़ा जाए। इसे कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। खासतौर पर भारत के अंदर यह कतई स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ जो जीरो टॉलरेंस की नीति रही है, वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरुआत हो चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन क्षेत्रों का दौरा किया है।

पहलगाम हमले के गुनहगारों की सूचना देने वालों को 20-20 लाख का इनाम

एजेंसी

अनंतनाग । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हमला करने वाले तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी किए हैं और सूचना देने वालों के लिए हर आतंकवादी पर 20-20 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। अनंतनाग पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी करते हुए कहा है कि आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली भाई उर्फ तल्हा भाई के बारे में जानकारी देने वाले को 20-20 लाख रुपए का इनाम मिलेगा। तीनों को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकवादी बताया गया है और सभी तीनों पर 20-20 लाख रुपए का अलग-अलग इनाम रखा गया है।

पुलिस ने आतंकवादियों के बारे में सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का आश्वासन भी दिया है। जानकारी देने के लिए पुलिस ने संपर्क नंबर 9596777666 (एसएसपी अनंतनाग) और 9596777669 (पीसी अनंतनाग) जारी किए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता से

अपील की है कि यदि किसी को तीनों आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद बुधवार को सुरक्षा बलों ने कुछ संदिग्ध आतंकियों की तस्वीरें और स्केच जारी किए थे। आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। पहलगाम हमले के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना विदेश दौरा बीच में ही छोड़कर भारत लौट आए थे। बुधवार शाम उन्होंने सुरक्षा को लेकर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अध्यक्षता की जिसमें कई बड़े फैसले लिए गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया था कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए समय सारणी में बदलाव

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःगर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा स्कूलों के समय सारणी में बदलाव का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार के निदेश के आलोक में उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों में वर्ग ङ्क्षसे कक्षा आठ की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं वर्ग 09 से वर्ग 12 तक की कक्षाएँ सुबह 07:00 बजे से 12:00 मध्याह्न तक संचालित करने का निदेश दिया गया है। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश आदेश दिनांक 26.04.2025 के प्रभाव से लागू रहेगा।

डी ए वी में 28 दीप जलाकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़, स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों के आत्मा शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रंद्धाजलि अर्पित किया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में आतंकवादियों द्वारा 28 सैलानियों की बर्बरता पूर्वक हत्या के विरोध में विद्यालय प्राचार्य, कर्मचारी एवं छात्रगणों ने शांति मार्च का आयोजन किया एवं 2 मिनट का मौन धारण कर मृत आत्माओं के शांति हेतु प्रार्थना किया। तत्पश्चात बच्चों ने 28 दीप जलाकर सभी मृत आत्माओं को श्रंद्धाजलि दी एवं शहीदों को नमन किया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने आतंकवाद की इस क्रूरता की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि बच्चों का यह कदम आतंकवाद के खिलाफ श्रद्धांजलि नहीं बल्कि हमारी एकजुटता और मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पहलगाम में हुए इस निर्मम हमले ने देश के नागरिक को झकझोर दिया है। यह हमला सिर्फ कुछ व्यक्तियों पर नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, हमारे साझा जीवन मूल्यों और शांति की हमारी परंपरा पर हमला है।

कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया

साहिबगंजः उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा तालझारी प्रखंड अंतर्गत कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित और निमार्णाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभुकों से बातचीत कर योजना की पारदर्शिता एवं संतुष्टि की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराएं। मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त ने उपस्थित श्रमिकों से बातचीत कर कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उन्हें समय पर मजदूरी भुगतान का आश्वासन दिया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल आपूर्ति की योजना की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए योजना को शत-प्रतिशत घरों तक पहुँचाया जाए। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

देवघर जिले में स्मार्ट सिटी की तर्ज पर बनाया जायेगा ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटीः-उपायुक्त विशाल सागर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राज्य सरकार देवघर जिले के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में देवघर में बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए नगर विकास विभाग द्वारा रांची स्मार्ट सिटी की तर्ज पर ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी बनाने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर द्वारा 500 एकड़ जमीन चिन्हित करते हुए जल्द ही प्रस्ताव तैयार कर भेजा जायेगा।

इसके अलावे ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी में स्पेसियस हाउसिंग कॉलोनी, कम्युनिटी सेन्टर, सुरक्षा के दृष्टिकोण से हाई रेज्युलेशन सीसीटीवी कैमरा, बस व वाहनों के परिचालन हेतु सड़क के अलावा आपातकालीन सेवा हेतु (एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन आदि) डेडिकेटेड रोड की सुविधा, बेहतर कनेक्टीवीटी सुनिश्चित की जायेगी। साथ ही सोलर सिस्टम और ग्रीनरी समेत पर्यावरण के अनुकूल एनर्जी कॉज वेल्यु से लैस सिटी का निर्माण होगा, जिससे जिलावासियों को आधुनिक सुविधायुक्त ग्रीनफिल्ड स्मार्ट सिटी में रहने का अवसर मिलेगा।

26 अप्रैल को चार स्टेशनों में धरना प्रदर्शनः मोहम्मद इकबाल

साहिबगंज : एम जी आर वर्कर्स यूनियन महामंत्री मोहम्मद इकबाल द्वारा बताया गया कि 26 अप्रैल 2025 को फरक्का ललमटिया एम जी आर रेल में मजदूरों के सवाल पर हड़ताल तथा एम जी आर के चार स्टेशनों में धरना तथा आंदोलनात्मक कार्यक्रम होगा।दिनांक 26 अप्रैल 2025 को एम जी आर के चार स्टेशन क्रमश कुमारपुर ,बरहेट, पथरा एवं ललमटिया स्टेशनों पर धरना आंदोलनात्मक कार्यक्रम एवं मजदूरों का हड़ताल करने का निर्णय यूनियन की बैठक में लिया गया ।एम जी आर पर कार्यरत मजदूरों के पिछले 25 साल से उनका भविष्य निधि का सवाल लगातार उठाने के बावजूद इसका निपटारा नहीं हो सका। जिससे मजदूरों का पेंशन का काम एवं ईएसआई कार्ड लंबे समय से लटका हुआ है अगस्त 2024 में वेतन समझौता के बावजूद शिफ्टिंग ड्यूटी में कर्जरात मजदूरों को राष्ट्रीय अवकाश का छुट्टी भी ना उन्हें मिलता है और ना उन्हें बदले पर दूसरे दिन छुट्टी मिलता है। एम जी आर में कार्यरत नाइट गार्ड को गर्मी, बरसात, जाड़ासे बचाव के लिए उन्हें हर साल में झोपड़ी का सुविधा पिछले दो साल से बंद है लेवल क्रॉसिंग में कार्यरत मजदूरों को अपग्रेड करने के सवाल पर एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अस्वस्थ किया गया था। कि आपका अपग्रेशन होने पर आपको दक्ष मजदूर बनाया जाएगा। एनटीपीसी प्रबंधन लगातार अस्वस्थ करते रहे कि आपका समस्या का निधन वेतन समझौता के समय हो जाएगा लेकिन इस का निराकरण नहीं हुआ मजदूर के भविष्य निधि के सवाल पर लगातार दबाव बनाने के क्रम में आज से 5 महीना पहले चारों स्टेशन में एनटीपीसी कैंप किया था और मजदूरों के सारे कागजात कंप्यूटर में लोड किया गया था लेकिन इस दिशा में कोई पहल नहीं किया गया आज से 8 महीना पहले एम जी आर में कर्जऱत मजदूरों से वेलफेयर फंड के नाम से उसके वेतन से पैसा काट कर ठेकेदार अपने पास रखा लेकिन इस फंड से किसी मजदूर को कोई लाभ हासिल नहीं हुआ। यूनियन की ओर से इस सवाल को एनटीपीसी प्रबंधन और एम जी आर प्रबंधन के समक्ष रखा गया जिसमें प्रबंधन का कहना है कि मजदूर का पैसा काटना बंद कर दे 6 प्रति महीना के हिसाब से मजदूरों को लौटा दे पर अभी तक नहीं मिला। एम जी आर रेल में कार्यरत नाइट गार्ड का शिफ्टिंग ड्यूटी का रोस्टर तैयार नहीं हुआ नाइट गार्ड का मनमानी हजारी काटा जा रहा है। वयस्क कामगारों का बदली के सिलसिले में तथा मृत कामगारों के बदले परिवार के सदस्यों को काम में रखने की परिपाटी मगर के शुरू होने के दौर से चला आ रहा है वेतन समझौता के समय में चर्चा के दौरान एनटीपीसी प्रबंधन ने बताया कि केवल बदले में कामगार के पुत्र को ही रखा जाएगा लेकिन एम जी आर के शुरूआत से पुत्र नहीं रहने की स्थिति में दामाद को रखने की परिपाटी शुरू से चला आ रहा है लेकिन एनटीपीसी अब इसे बंद करना चाह रहा है पिछले दिनों कर्जऱत मजदूर के प्रतिनिधि यूनियन, ठेकेदार, एम जी आर के पदाधिकारी एवं एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अफसरों की बैठक प्रति माह होता रहा लेकिन अगस्त 2024 में हुए वेतन समझौता के बाद कोआर्डिनेशन में एनटीपीसी प्रबंधन तथा एम जी आर प्रबंधन की ऑफिसर ही भाग लेते हैं ठेकेदार भाग नहीं लेता है लगातार प्रबंधन को बताते जा रहा है की बैठक में जो भी फैसला होता है इसका कार्यन्यन ठेकेदार नहीं करते हैं जबकि लगातार यूनियन की ओर से बताया जा रहा है कि हर बैठक में संवेदक का उपस्थिति का गारंटी किया जाए मजदूरों को इसका पे स्लिप 3 महीना 4 महीना के अंतराल में हासिल होता है जो गैर कानूनी है। वेतन समझौता के बाद एक साजिश के तहत एम जी आर वर्कर्स यूनियन पर एनटीपीसी प्रबंधन से रिश्वत लेने का आप एक ठेकेदार द्वारा लगाया गया जबकि फरक्का प्लांट में जनवरी 2024 में वेतन समझौता हुआ वही वेतन समझौता अगस्त 2024 में एम जी आर के लिए वेतन समझौता के लिए हस्ताक्षर हुआ। इस वेतन समझौते में वर्ष 1993 से 2019 तक लगातार एम जी आर वर्कर्स यूनियन के साथ ही वेतन समझौता हुआ वर्ष 2024 में एम जी आर में एक नया यूनियन भी हिस्सा लिया और हस्ताक्षर किया यह श्रम कानून के वेलफेयर लेबर प्रैक्टिस के दायरे में आता है ।एम जी आर वर्कर्स यूनियन लगातार श्रमिकों के हित में संघर्ष करते आ रहा है इस सवाल को एनटीपीसी तथा एम जी आर के प्रबंधन के समक्ष रखा गया लेकिन इसे ठठते हैं ।मजदूरों पर हमलात्मक कार्रवाई के खिलाफ 26 अप्रैल को मगर रेल में हड़ताल होगी।

रोजेक्ट जागृति के तहत रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

200 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ये शिविर रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल, पाकुड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हिरणपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लिट्टीपाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमड़ापाड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में लगाया गया। शिविर में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने स्वैच्छिक रूप से किया रक्तदान उपायुक्त मनीष कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान न केवल राष्ट्रीय आवश्यकता को पूरा करता है, बल्कि

यह समाज और मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा भी है। उन्होंने कहा कि आप सभी द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को, रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। पाकुड़ जिले में खून की कमी से किसी की मौत न हो। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रोजेक्ट जागृति के तहत पाकुड़ जिले में प्रत्येक माह के 24 तारीख को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिकाधिक संख्या में रक्त का संग्रह किया जाये और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर उपायुक्त ने रक्तदाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई 5 दिनों के अंदर चोरी हुई कार को किया बरामद

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ बीते 19 अप्रैल को नगर थाना क्षेत्र के कृष्णा मार्केट के पास से चोरी की गई स्विफ्ट कार नगर पुलिस ने बरामद किया, पुलिस ने मामला दर्ज होने के 5 दिनों के अंदर जप्त करते हुए एक को गिरफ्तार किया है. बताया गया कि साहिबगंज जिला के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलदारचक के रहने वाले मोहम्मद अजहर जो कि निजी काम से पाकुड़ शहर के कृष्णा मार्केट के पास आए थे और इसी दौरान किसी काम से वह व्यस्त हो गए। इसी बीच उनका स्विफ्ट कार JH04W9851की चोरी हो गई. वहीं उन्होंने इसकी शिकायत नगर थाना में किया उनके शिकायत पर नगर थाना में कांड संख्या 116 / 25 दर्ज किया गया और इसके साथ ही नगर थाना प्रभारी ने तुरंत एक पुलिस टीम का गठन किया और पुलिस टीम ने 5 दिनों के अंदर नगर थाना क्षेत्र से उक्त स्विफ्ट कार को जप्त करते हुए एक को गिरफ्तार कर किया हैं, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम मनीरूल अंसारी है और वह साहिबगंज जिला अंतर्गत तालझारी थाना क्षेत्र के भतभंगा गांव का रहने वाला है. वही इस बावत थाना प्रभारी प्रयाग दास के द्वारा बताया गया कि स्विफ्ट कार की चोरी हुई थी और उसको लेकर थाना में लिखित शिकायत के आलोक में मामला दर्ज किया गया था मामला दर्ज होते ही इस पर त्वरित कार्रवाई की गई और 5 दिनों के अंदर उक्त

स्विफ्ट कार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है. गिरफ्तार व्यक्ति का आपराधिक इतिहास रहा है. वही छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास,अवर निरीक्षक कन्हैया कुमार यादव, राहुल कुमार,सुबल कुमार डे,सहायक अवर निरीक्षक सनातन मांझी,अक्षोक कुमार पांडे के साथ थाना के सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे.

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ सदर प्रखंड के जादूपुर एवं संग्रामपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पाकरिया, हिरणपुर प्रखंड के बाबूझुटी एवं पाकुड़िया प्रखंड के मोहनपुर में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 197 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० सौरभ विश्वास, डॉ० मो आबूतलीब शेख, डॉ अफरोज आलम, डॉ० कुलेश कुमार एवं डॉ० वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

नगर के बीचो-बीच बालु लदा ट्रक हुआ पंचर, ट्रक को खनन निरीक्षक ने किया जप्त

भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर उठाए सवाल और प्रशासन की नाकामी पर उठाए सवाल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में अवैध खनिज परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां न केवल पत्थर, कोयला और बालू का अवैध परिवहन बड़े पैमाने पर हो रहा है, और प्रशासन की ओर से किसी भी ठोस कदम की कमी व प्रशासनिक शिकंजा कमजोर साफ तौर पर महसूस की जा रही है। दरअसल इसका खुलासा तब हुआ जब नगर के बीचो-बीच रविंद्र चौक के समीप एक बालू लदा ट्रक हइ59ऊ0346 का पहिया खराब हो गया। जिसमें ओवरलोड बालू प्रतीत हो रहा था। मौके पर जिला खनन निरीक्षक सुबोध सिंह और परिवहन विभाग के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश सिंह ने पहुंच स्ट्रक्कर कर अलग से पुछताछ किया तो चालक ने बताया कि वह जामताड़ा से बालू लोड कर

पश्चिम बंगाल के मालदा जिला जा रहा था।प्रारंभिक जांच में ट्रक की परमिट फेल पाई गई, जिसके बाद विभाग ने कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पांडे मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि, ₹आए दिन पाकुड़ जिले में अवैध कारोबार बढ़ रहा है और यह सब राज्य सरकार के इशारे पर हो रहा है। जिला प्रशासन को अवैध खनन की जानकारी होने के बावजूद वे आंखें मूंदे हुए हैं।₹अमृत पांडे ने आगे कहा, ₹यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। पिछले कुछ दिनों में हमने पाकुड़ उपायुक्त को इस मुद्दे पर आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोयला, बालू और पत्थर का अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है, और प्रशासन इस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर रहा।₹भाजपा नेता ने सरकार की नाकामी पर जोर देते हुए कहा, ₹झारखंड की जनता ने कभी भी ऐसी नाकाम सरकार की उम्मीद नहीं की थी। आने वाले चुनावों में लोग इस सरकार को मुंहतोड़ जवाब देंगे।₹वहीं, खनन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक को जप्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मांडर प्रखंड मुख्यालय सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - प्रखंड मुख्यालय सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का के द्वारा गाँव और पंचायत को स्वच्छ रखने का शपथ सभी पंचायत समिति सदस्यों ने संकल्प लिया,और राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के महत्व पर चर्चा की गई। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया। मौके पर उपस्थित

अधिकारियों और पंचायत समिति के सदस्यों ने पंचायती राज व्यवस्था के विकास और सुधार के लिए अपने अपने विचार साझा किए पंचायती राज व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए योजनाएं बनाई गईं। ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका को और प्रभावी बनाने के लिए चर्चा की गईं ।इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी मांडर, उप प्रमुख अमानत अन्सारी, बीपीआरओ,सीताराम साहू, कोडीनेटर अर्पणा कुजूर, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर संचिता कुमारी, कुलदीप कुजूर, रूमोला कुजूर मासूक अली,सुगीता उरांव, सुमति,रिंकू कच्छप समेतऔर लोग भी उपस्थित थे।

विद्यासागर की हुंकारः तिरंगा कैंडल मार्च में आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता, पहलगाम शहीदों को श्रद्धांजलि

विद्यासागर, जामताड़ा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 28 पर्यटकों की याद में विद्यासागर शहर गुरुवार शाम आक्रोश और शोक से एकजुट हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की अगुवाई में सैकड़ों छात्र-नागरिकों ने तिरंगा-कैंडल मार्च निकाल कर पाकिस्तान मुदार्बाद और आतंकवाद मुदार्बाद के गगनभेदी नारे लगाए।

मौन श्रद्धांजलि

शहर के सरस्वती विद्या मंदिर, हाइ स्कूल व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय समेत कई शिक्षण संस्थानों में दो-तीन मिनट का मौन रख कर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वक्ताओं की चेतावनी

ABVP प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्भय मंडल ने कहा, भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझा जाए।ह्व नगर मंत्री अमित कुमार ने केन्द्र सरकार से खून का बदला जल्द लेने का आह्वान किया। झारखंड छात्र संघ ने मृतकों को शहीद का दर्जा और परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने की माँग दोहराई। नगर अध्यक्ष बलबीर यादव व उपाध्यक्ष रमेश मंडल ने जोर दिया कि आतंकवाद को मुँहतोड़ जवाब दिए बिना शांति संभव नहीं।

व्यापक सहभागिता

मार्च में नगर सह मंत्री विक्की दास, अजय मंडल, भीम मंडल, धीरज मुन्ना, कृष्णा सहित दर्जनों छात्र-कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक सम्मिलित हुए। भीड़ ने सरकार से कठोर कार्रवाई की माँग करते हुए भविष्य में ऐसे हमले रोकने का संकल्प लिया।

सीसीएल के आठ अधिकारियों की हुई ट्रांसफर

महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने दी सम्मानपूर्वक विदाई

दिव्य दिनकरःसंवाददाता

टंडवाःचतरा।आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से आठ अधिकारियों का स्थानांतरण पदोन्नति के उपरांत किया गया है। सभी अधिकारियों को मैनेजर से सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने विदाई समारोह में उपस्थित होकर अधिकारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्थानांतरित अधिकारियों के नाम और नवीन पदस्थापन स्थल निम्नलिखित हैंः पवन कुमार गुप्ता क्षेत्रीय गुणवत्ता अधिकारी,सुशिल कुमार क्षेत्रीय उत्खनन अधिकारी,दिगंबर यादव परियोजना सुरक्षा अधिकारी,प्रमोद कुमार काडडिया भूमि एवं राजस्व विभाग,उपरोक्त सभी का ट्रांसफर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, ओडिशा की गई है। रथिस कुमार क्षेत्रीय सेल्स अधिकारी,अशोक मंडल अधिकारी ये दोनों का ट्रांसफर बीसीसीएल,धनबाद तथा के पी सिंह क्षेत्रीय ई एंड एम अधिकारी की ट्रांसफर एसईसीएल, छत्तीसगढ़ किया गया है। समारोह के दौरान स्टाफ अधिकारी (पी एंड पी) समेत क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा की इन सभी अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में सराहनीय सेवाएं दी हैं। हम उनके भविष्य की सफलता की कामना करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आगामी चार मई को नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी को लेकर डीसी ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित होने वाले नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र सीएम एसओई गर्ल्स, पाकुड़ एवं सीएम एसओई +2 राज हाई स्कूल, पाकुड़ केन्द्र का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण परीक्षा केंद्र की तैयारियों और व्यवस्था की जांच करने के लिए किया गया, ताकि परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से हो सके। उपायुक्त ने केंद्र के विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया, जिसमें परीक्षा केंद्र की व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और अन्य संबंधित मामलों का शामिल था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र के अधिकारियों से भी बात की और परीक्षा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सुझाव दिए। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, मुख्यालय डीएसपी जितेन्द्र कुमार, एन०टी०ए नोडल एवं एडीपीओ पीयूष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

सदर अस्पताल का विधायक ने किया निरीक्षण दिया कई दिशा निर्देश

साहिबगंज :जिले के सबसे बड़े सदस्य अस्पताल दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है जिसको लेकर बोरियो विधायक धनंजय सोरेन ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने मरीजो को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा जो भी सुविधा है मरीजो अवश्य मिलनी चाहिए। बढ़ते गर्मी को देखते हुए विधायक ने दो कैंट लगाने का निर्देश दिए है। ताकि मरीजो को भीषण गर्मी में ठंडा पानी पीने को मिल सके।वही ओपीडी, आईपीडी समेत अन्य विभागों का जायजा लेते हुए कई निर्देश देते हुए कहा कि जो भी कमी है उसे पूरा करे। इसके बाद विधायक ने किया रक्तदान इस दौरान विधायक ने युव-ाओं को रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्त की कमी को दूर करना जरूरी है। ताकि एनीमिया से पीड़ित मरीजो की जान बचाया जा सके। इधर विधायक ने सभी एलटी व अस्पताल मैनेजर के साथ बैठक कर ब्लड बैंक से सम्बंधित जानकारी हासिल की है। विधायक ने कहा कि रक्तदाता के लिए ब्लड बैंक में मूलभूत सुविधा होना जरूरी है। किसी भी तरह की कमी है उसे पूरा करने का निर्देश दिए है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया , डॉ मोहन मुर्मू, लैब टेक्नीशियन मो. अजहर, चंदन कुमार, दिलीप कुमार शर्मा, आदि थे।

मांडर में मुस्लिम संगठन से जुड़े लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान सरकार का किया पुतला दहन

पुतला दहन करने पहुंचे लोग

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के विरोध में गुरुवार को मांडर के ब्रांबे चौक में मुस्लिम संगठन से जुड़े लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान सरकार का पुतला दहन किया. इस अवसर पर लोगों ने आतंकवाद मुदार्बाद, पाकिस्तान मुदार्बाद, हत्यारों को फांसी दो के नारे लगाये गये और घटना की निंदा की गयी और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गयी और कहा गया कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ है. वक्ताओं ने कहा कि आतंकवाद किसी धर्म जाति और मजहब का नहीं होता है. आतंकवादी जो कोई भी हो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाि-हए. मौके पर मुख्य रूप से इरशाद इमाम, रांची जिला कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष राजीव रंजन राजू, झारखंड तंजीम के प्रवक्ता मौलाना शाकिर इस्लाही, रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, प्रकाश तिग्गा, नासिर अंसारी, हसन अंसारी, जब्बार अंसारी, तनवीर इमाम, शाहबाज आलम, रामे उरांव, फैसल अंसारी, रेयाजुल अंसारी आदि मौजूद थे!

मांडर, ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - रांची लोहरदगा रेलवे लाइन पर कुम्बा टोली के निकट ट्रेन की चपेट में आने से बुधवार की रात को एक वृद्ध की मौत हो गयी. वृद्ध की पहचान बिसाहाखटंगा निवासी जूलियन बाड़ा के रूप में की गयी है. बताया गया कि गुरुवार की रात को कुम्बा टोली के निकट रांची लोहरदगा रेलवे लाइन के पोल संख्या 453/16 और 453/17 के बीच में किसी ने वृद्ध का शव पड़ा हुआ देखा था और इसकी सूचना मांडर पुलिस को दी थी. पुलिस ने रात को शव को कब्जे में ले लिया था. बाद में सुबह उसकी पहचान हुई. शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है!

देवघर में विश्व मलेरिया दिवस की पूर्व संध्या पर जन-जागरूकता अभियान, मलेरिया उन्मूलन में जनभागीदारी पर बल

देवघर। मलेरिया का अंत हमारे साथ इसी संकल्प को लेकर देवघर स्वास्थ्य विभाग ने विश्व मलेरिया दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर कमर कस ली है। सिविल सर्जन डॉ. युगल किशोर चौधरी के नेतृत्व में जिलेभर में मलेरिया के खिलाफ जन-जागरूकता और रोकथाम की मुहिम तेज कर दी गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि मलेरिया से लड़ाई सिर्फ दवा या डॉक्टर की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। रोकथाम ही सुरक्षा है। मच्छरों को पनपने से रोकें टंकियों को ढकें, जमे पानी में कीटनाशक डालें और मच्छरदानी जरूर इस्तेमाल करें। देवघर जिले में मलेरिया के मामले न्यूनतम हैं, लेकिन बाहर से आए संक्रमित व्यक्तियों की पहचान और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्यकर्मियों के पास निःशुल्क जांच व दवा की सुविधा उपलब्ध है। पिछले 5 वर्षों में देवघर में मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट देखी गई, जिसमें 2020 सिर्फ 1 मामला,2024 में 13 मामले,2025 जनवरी-मार्च केवल 2 मामले,जिला भीबीडी सलाहकार डॉ. गणेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार की थीम मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन जनसहभागिता को केंद्र में रखकर मलेरिया से स्थायी मुक्ति का संकल्प दिलाती है। 25 अप्रैल को होगी विशेष बैठक व शपथग्रहणः विश्व मलेरिया दिवस के दिन जिला यक्ष्मा नियंत्रण केंद्र में अंतर्विभागीय बैठक, उन्मुखीकरण व शपथग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं, प्रखंड स्तर पर रैलियों, नुक्कड़ नाटकों व प्रचार-प्रसार के जरिए आम जनता को जागरूक किया जाएगा।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज 24 अप्रैल को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन यज्ञा बाबा आश्रम के मुख्य महंत भरत दास जी महाराज ने बताया कि आचार्य श्यामसुंदर शर्मा भारद्वाज के अगुवाई मे महायज्ञ मंडप मे विद्वान पुजारियों द्वारा धूपाधिवास,दीपाधिवास एवं फलाधिवास विधि विधान से मंत्रोपचारण के साथ पूजा अर्चना हुआ जिसमें हजारों श्रद्धालुगण एवं भक्तगण शामिल हुए वहीं शाम को भागवत कथा वाचक गया पीठाधीश्वर स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपने मधुर वाणी से संगीतमय भागवत की महिमा को सुनाई।उन्होंने आज भगवान कृष्ण के जन्म के प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा भगवान हर गर्भ में,हर जगह एवं कण-कण में होते हैं लेकिन उन्हें प्रकट करने के लिए भगवान से प्रेम करने की आवश्यकता होती है। देवकी वासुदेव भगवान के अनन्य भक्त थे घोर तपस्या करके भगवान से उन्होंने वरदान मांगा था कि हे प्रभु आप मुझे पुत्र के रूप में प्राप्त हो तो भगवान उनके यहां पुत्र बनकर आए और भगवान ने अनेक लीलाएं की आगे महाराज जी ने बताया भगवान को प्रसन्न करने के लिए एवं उनके चरणों में प्रेम बढ़ाने के लिए कलयुग मे सबसे सरल यही उपाय है कि भगवान का नाम,जाप एवं कीर्तन हमेशा करते रहे।भगवान नाम जाप करने से बहुत जल्द ही प्रसन्न होते हैं।आज के इस धार्मिक महायज्ञ मे मुख्य यजमान की भूमिका संतोष कुमार पांडेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्शी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार के साथ निभाई। आज के समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रांची के पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय,उनके भाई सुनील सहाय,गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ,रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय,समाजसेवी राम बहादुर सिंह ने भगवान जी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से मंदिर के पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,डॉ. अनिल कुमार,रिषिकेश लाल, अजीत कुमार,श्याम पांडेय,चंदन पांडेय,सुनील कुमार,रूपम झा, सिंधु बाला,सुनीता देवी, उमरावती देवी,सुनीता तिवारी, सुमित्रा पांडेय,अंजली उपाध्याय, लक्ष्मीना दुबे,श्रीयांशी,सोना मंडल,सवानंद दुबे,संतोष कुमार आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, शिक्षकों के स्थानांतरण व वेतनमान पर दिए गए निर्देश

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति एवं जिला शिक्षा (समग्र) परियोजना कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना और इससे जुड़े प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा करना था।बैठक में उपायुक्त द्वारा प्रवरण वेतनमान से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन की प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट निर्देश जारी किए गए। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव न पड़े।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष तथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

बाघवार अकादमी के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड में किया शानदार प्रदर्शन विद्यालय में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - दिन गुरुवार को बाघवार अकादमी के प्रांगण में सा-इंस ओलंपियाड फाउंडेशन (SOF) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा (10 दिसंबर 2024) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करने हेतु एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विद्यालय के छात्रों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और ज्ञान से सभी को चौंका दिया। बच्चों के इस असाधारण प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय का नाम रौशन किया, बल्कि क्षेत्र का भी मान बढ़ाया। बच्चों को पदक एवं प्रमाणपत्र विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार के कर-कमलों द्वारा प्रदान किए गए। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, यदि किसी व्यक्ति में सच्ची निष्ठा और लगन हो, तो कोई भी मंज़िल असंभव नहीं होती। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक हरे कृष्णा सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अरुण बाघवार, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएँ एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। इस समा-रोह ने छात्रों को आगे की परीक्षाओं में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। बच्चों की उपलब्धियां विद्यालय के गौरव का प्रतीक हैं और शिक्षा की उत्कृष्टता की दिशा में एक सशक्त कदम भी।

देवघर में विश्व मलेरिया दिवस की पूर्व संध्या पर जन-जागरूकता अभियान, मलेरिया उन्मूलन में जनभागीदारी पर बल

देवघर। मलेरिया का अंत हमारे साथ इसी संकल्प को लेकर देवघर स्वास्थ्य विभाग ने विश्व मलेरिया दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर कमर कस ली है। सिविल सर्जन डॉ. युगल किशोर चौधरी के नेतृत्व में जिलेभर में मलेरिया के खिलाफ जन-जागरूकता और रोकथाम की मुहिम तेज कर दी गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि मलेरिया से लड़ाई सिर्फ दवा या डॉक्टर की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। रोकथाम ही सुरक्षा है। मच्छरों को पनपने से रोकें टंकियों को ढकें, जमे पानी में कीटनाशक डालें और मच्छरदानी जरूर इस्तेमाल करें। देवघर जिले में मलेरिया के मामले न्यूनतम हैं, लेकिन बाहर से आए संक्रमित व्यक्तियों की पहचान और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्यकर्मियों के पास निःशुल्क जांच व दवा की सुविधा उपलब्ध है। पिछले 5 वर्षों में देवघर में मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट देखी गई, जिसमें 2020 सिर्फ 1 मामला,2024 में 13 मामले,2025 जनवरी-मार्च केवल 2 मामले,जिला भीबीडी सलाहकार डॉ. गणेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार की थीम मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन जनसहभागिता को केंद्र में रखकर मलेरिया से स्थायी मुक्ति का संकल्प दिलाती है।

25 अप्रैल को होगी विशेष बैठक व शपथग्रहणः

विश्व मलेरिया दिवस के दिन जिला यक्ष्मा नियंत्रण केंद्र में अंतर्विभागीय बैठक, उन्मुखीकरण व शपथग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं, प्रखंड स्तर पर रैलियों, नुक्कड़ नाटकों व प्रचार-प्रसार के जरिए आम जनता को जागरूक किया जाएगा।

एसडीओ ने चिकित्सकों से वार्ता कर दो दिनों से चली आ रही कार्य बहिष्कार व अनिश्चितकालीन हड़ताल को कराया समाप्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज कार्य बहिष्कार और हड़ताल के दूसरे दिन भी जिले के सभी चिकित्सक एकजुट हो कर सदर अस्पताल के सभागार में उपस्थित हुआ आज भी कार्य बाधित रहा।आज दिन की बैठक में यह जानकारी आई एम ए और झासा के सदस्यों के बीच आई की आरोपित में से 2 लोगों की गिरफ्तारी कर ली गईं है,संबंधित थाने के प्रभारी द्वारा इसकी पुष्टि की गई।आज की कार्य बहिष्कार बैठक में लगभग 70 चिकित्सकों की उपस्थिति रही।जिला प्रशासन के द्वारा यह पहल किया गया और आई एम ए, झासा के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क कर यह कहा गया कि वे संगठन के लोगो के साथ बैठ कर बात करना चाहते है,इसके लिए देर शाम 7 बजे का समय निर्धारित किया गया। सदर अस्पताल के सभागार में बैठक आहूत की गई जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी,नगर थानाध्यक्ष,सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी,आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी,डॉ आर एन प्रसाद,सचिव डॉ गौरी शंकर,सदर अस्पताल के वरीय दन्त चिकित्सक सह झासा के राज्य संयोजक डॉ शरद कुमार,जिला सचिव सह उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन,जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ संजय कुमार,जिला संयोजक डॉ अनिकेत,डॉ सौरभ सुल्तानिया,डॉ अमित केशरी,डॉ अमित प्रसाद,डॉ निशांत चौरसिया,डॉ आर के मिश्रा मौजूद रहे।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि जो भी बचे हुए आरोपित है उसको भी जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।दो आरोपित की गिरफ्तारी और बचे हुए लोगों की गिरफ्तारी जल्द होगी आश्वाशन के बाद आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी द्वारा हड़ताल और कार्य बहिष्कार को वापस लेने की घोषणा कर दी गई।

टंडवा में बड़े पैमाने पर किया गया बालू का भंडारण, कार्रवाई की मांग

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा। प्रखंड क्षेत्र गाडिलौंग के हरदियाबांध में बड़े पैमाने पर अवैध बालू का भंडारण की चर्चा जहां जोरों पर है वहीं भंडारण किसने करवाये हैं इसकी जवाबदेही लेने के लिये फिलहाल कोई सामने नहीं आया है। वहीं सोशल मीडिया में खबर वायरल होने के बाद ग्रामीण जिला प्रशासन से समुचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दावा किया जाता है कि जिला प्रशासन को शामिल सफेदपोशों के गठजोड़ों द्वारा गुमराह कर बालू के कारोबार से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का चूना लगाते हैं। औने- पौने दर पर ट्रेक्टरों से खरीद कर उसे ऊंचे दामों में निर्माण कार्य में लगी कंस्ट्रक्शन कंपनियों को बेंचा जाता है जिससे चंद लोग हीं मालामाल होते हैं। सूत्रों के अनुसार अवैध कमाई के हिस्सों की निर्धारित राशि कुछ सफेदपोशों को दी जाती है जो ऐसे अवैध कारोबारियों को छत्रछाया प्रदान करते हैं।

रंग लाया सूरज का प्रयास, शिवगंगा मुक्तिधाम शिवगंगा मुक्तिधाम तालाब की हुई सफाई, मिलेगी राहत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

निगम क्षेत्र अंतर्गत शिवगंगा तट पर स्थित श्मशानघाट के तालाब की सफाई की गई। झामुमो नेता व समाजसेवी सूरज झा की पहल पर श्मशान में नगर आयुक्त रोहित सिन्हा के निर्देश पर सफाई किया गया। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वाले मृतक के परिजनों को जल की अनुपलब्धता के वजह से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। लोग शिवगंगा से बार बार पानी लाकर कर्म संपन्न करते थे। ऐसे में उन्हें अथाह परेशानी का सामना करना पड़ता था। बीते दिनों बोरिंग का भी काम सूरज के पहल पर कराया गया था। गुरुवार को नगर निगम के रोड कुली व सफाई कर्मी द्वारा तालाब की साफ सफाई कराई गई। मौके पर सूरज स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने कर्मियों को बेहतर तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया ताकि लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मुक्तिधाम में लोगों को पानी के अभाव के वजह से लोगों बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। चूकिं यहां हर काम में लोगों को पानी की आवश्यकता होती थी और उन्हें शिवगंगा पर आश्रित होना होता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। तालाब में पानी स्टॉक हो गया है। इस संबंध में लोगों की बार बार मांग आती थी मेरे पास, समस्या वाजिब थी और इसका समाधान नितांत आवश्यक था। जल्द ही मुक्तिधाम आने वाले लोगों को पानी की दिक्कत नहीं होगी। सूबे में संवेदनशील सरकार है, मंत्री हफीजुल हसन व नगर आयुक्त का इस कार्य के लिए विशेष आभार।

पुण्यतिथि का आयोजन उनके पौत्र अमन कुमार गुप्ता के निजी आवास पर आयोजित किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज मोहनपुर हाट में स्वर्गीय उदय नारायण साह तीसरा पुन्य तिथि का आयोजन किया गया स्थानीय युवाओं एवं समाजसेवीयो के द्वारा कीया गया उनके चित्र छाया पर भाजपा नेता चंद्रमोलेश्वरी यादव धनंजय झा जगन्नाथ यादव झुनझुन झा देवनारायण दास शिवम राउत शेखर सुमन यादव अशोक यादव समाजसेवी सुधीर यादव एवं युवा स्वयंसेवी अभिषेक ठाकुर वीरू गुप्ता संतोष कापरी वी एच पी नेता भोला गुप्ता महेंद्र प्रसाद साह बबलू घोष हरगोरी यादव प्रकाश यादव जीतू यादव सिकंदर यादव परमेश्वर यादव हरगोविंद यादव सुनील यादव विभूति झा के द्वारा पुष्पांजलि अर्पीत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया स्वर्गीय उदय नारायण शाह जी जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक के कार्यों एवं कीये गये संघर्ष के कार्यकाल की एवं समर्पण को लेकर चर्चा किया गया ।

तालझारी प्रखंड के कर्णपुरा पंचायत में उप विकास आयुक्त ने किया योजनाओं का निरीक्षण

साहिबगंज: उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा तालझारी प्रखंड अंतर्गत कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।निर-ीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित और निमार्णाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभुकों से बातचीत कर योजना की पारदर्शिता एवं संतुष्टि की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराएं।मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त ने उपस्थित श्रमिकों से बातचीत कर कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उन्हें समय पर मजदूरी भुगतान का आश्वासन दिया।जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल आपूर्ति की योजना की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए योजना को शत-प्रतिशत घरों तक पहुँचाया जाए।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के चार कदम

>> विचार

“ सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरूहुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीजन में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान कुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके ख़िलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है।

योगेंद्र यादव

पहलगाम में आतंकियों द्वारा निदोष नागरिकों की नृशंस हत्या की तस्वीरें देख कर किस इंसान का कलेजा नहीं फटेगा, किस न्यायप्रिय व्यक्ति का खून नहीं खौलेगा? शोक के साथ क्षोभ होगा। जिम्मेदारी तय करने और सजा देने की इच्छा होगी। तुरत-फुरत बदला लेने और सबक सिखाने की माँग होगी। आतंकवादी यह जानते हैं, और यही चाहते हैं। टीवी और सोशल मीडिया के इस युग में आतंकवादी यह योजना बनाते हैं की उनकी किस कार्यवाही से किस तरह की प्रतिक्रिया होगी। भावना के उबाल में हम अक्सर ठीक वही सब करते हैं जो आतंकवादी हमसे करवाना चाहते थे। आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी सफलता यह नहीं है की हमने कितना आक्रोश दिखाया, कितना जल्दी बदला लिया। हमारी सच्ची सफलता यह होगी की हमने आतंकवादियों के असली मंसूबों को किस तरह समझा और विफल किया। अमरीकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के बीच इतना बड़ा हमला करने के पीछे आतंकियों के आकाओं की जरूर यह सोच रही होगी कि इससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तू-तू-मैं-मैं होगी, भारत की कमजोरी दुनिया के सामने उभरेगी। इसलिए हमारा पहला दायित्व बनता है कि हम इस समय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से बाज आएं। चाहे महाकुंभ में हुई मौत हो या फिर दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौत, किसी भी दुर्घटना के तुरंत बाद सामूहिक शोक की बजाय जूतमपैजार अशोभनीय है। यह समय शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े होने का है, अपने राजनीतिक हिसाब किताब का नहीं। लेकिन जब यह खेल आतंकवादी हमले के बाद खेले जाते हैं तो सिर्फ अशोभनीय ही नहीं, राष्ट्र को कमजोर करने वाले कदम साबित होते हैं। बेशक, अपने जमाने में बीजेपी ने खुलकर ऐसी खेल खेले थे। नरेंद्र मोदी ने तो 2008 के आतंकी हमले के बीचों-बीच मुंबई में जाकर मनमोहन सिंह सरकार की आलोचना करते हुए प्रेस कांफ्रेंस तक की थी। लेकिन अगर उस समय विपक्ष ग़लत था तो आज भी विपक्ष द्वारा ऐसी कोई हरकत ग़लत होगी। ज़िम्मेदारी तय करने का वक्त आयेगा, लेकिन आज वो समय

नहीं है। आज राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री या प्रधानमंत्री का इस्तीफ़ा मांगने का समय नहीं हैं। अगर हम आतंकवादियों के मंसूबों को विफल करना चाहते हैं पक्ष-विपक्ष या विचारधारा की दीवार के आर पार सब भारतीयों को आज एक साथ खड़ा होने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान और नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री अमित शाह को फ़ोन कर समर्थन देना सही दिशा में सही कदम हैं। आतंकवादियों की दूसरी योजना यह रही होगी कि इस हत्याकांड से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़कर विस्फोटक बिंदु पर पहुँच जाय। जनता के गुस्से के दबाव में भारत सरकार को जल्दबाजी में कुछ जवाबी कार्यवाही करनी पड़े। भारत-पाकिस्तान में सीमा पर तनाव बढ़ेगा तो पाकिस्तानी की राजनीति में फौज का वजन बढ़ेगा, आतंकियों के सरगना और ताकतवर बनेंगे। अगर हम आतंकियों की इस रणनीति को विफल करना चाहते हैं तो जरूरी है कि हम सरकार पर तुरंत बदले की कार्यवाही दिखाने का दबाव ना बनायें। पहलगाम हत्याकांड की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन ने ली है, वैसे भी यह साफ़ था की इस घटना के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। जाहिर है भारत सरकार को इसका जवाब देना होगा। लेकिन जल्दबाजी और दबाव में की गई किसी कार्यवाही से टीवी की सुर्खियां तो बन जाती हैं, वोट भी मिल सकते हैं, लेकिन आतंकवाद पर लगाम नहीं लगती। वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऊपरी तौर पर बदला लेने की बजाय चुपचाप पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद समर्थक साबित करते हुए उसे अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की। सबक यह है कि सरकार पर फौरी दबाव डालने की बजाय उस पर भरोसा किया जाय ताकि सेना, सुरक्षा एजेंसियां और राजनयिक सही समय पर और अपने तरीके से आतंकवाद के पाकिस्तानी आकाओं को जवाब दे सकें। पहलगाम के आतंकियों की तीसरी साजिश यह रही होगी कि इससे कश्मीर और शेष भारत के बीच की दरार और चौड़ी हो जाएगी। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर चलने वाले आतंकवादियों की दरिंदगी का ठीकरा हमारे अपने कश्मीर की जनता के सिर फोड़ने से आतंकवादियों की यह साज़िश कामयाब हो जाएगी। सच यह है कि यह हमला कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमला है। इस साल कश्मीर में टूरिस्ट बड़ी संख्या में आने शुरू हुए थे। यह हमला उन्हें रोकने के लिए था। ऐसी घटना के बाद कम से कम इस टूरिस्ट सीजन में तो कश्मीर का सबसे बड़ा धंधा ठप्प पड़ जाएगा। हज़ारों परिवारों का रोजगार छिन गया है। कश्मीरी भी इस आतंकी घटना के शिकार हैं। आतंकवादियों से लड़ते हुए सैयद हुसैन शाह ने अपनी जान क़ुर्बान की है। कश्मीर के तमाम राजनीतिक नेताओं और पार्टियों ने इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। पहली बार किसी आतंकी घटना के खिलाफ़ पूरा कश्मीर बंद हुआ है, मस्जिदों से इसके ख़िलाफ़ पैग़ाम दिए गए हैं। अगर हम समझदारी दिखाए तो यह कठिन घड़ी कश्मीर और शेष भारत को एक दूसरे के नज़दीक ला आतंकियों को मुंह-तोड़ जवाब देने का अवसर बन सकती है। पहलगाम के आतंकियों की सबसे गहरी साजिश भारत में हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा-फ़साद करवाने की है। उन्होंने अपने शिकारों की शिनाख्त उसके धर्म से की, चुन-चुन कर हिंदुओं को मारा। उनकी योजना साफ़ थी - उन्हें भरोसा था कि भारत में बहुत लोग उनकी नकल करेंगे। जैसे उन्होंने धर्म के नाम पर इंसानों को मारा उसी तरह दूसरे लोग भी अब धर्म के नाम पर हमला करेंगे। हिंदू-मुसलमान की आग में भारत को जलाने का षड्यंत्र है यह। इसलिए जो भी पाकिस्तानी आतंकियों से बदला लेने के नाम पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ़ ज़हर उगलता है, जो नाम और कपड़ों से इंसान की शिनाख्त करता है, वो आतंकवादियों के षड्यंत्र का हिस्सा बनता है। पहलगाम का हत्याकांड भारत में नफ़रत की आग फैलाने की योजना है। हिंदू-मुस्लिम एकता का संकल्प लेना और कहीं भी साम्प्रदायिक आग ना लगने देना ही पहलगाम के आतंकवादियों को सबसे करारा जवाब है।

संपादकीय

पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करना होगा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला चिंताजनक है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सउदी अरब के दौरे पर हैं। आतंकी सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे। सभी के पास एके-47 और दूसरे हथियार थे। आतंकी हमले के बाद सामने आए वीडियो में इस बात की पुष्टि हुई है कि हथियारबंद हमलावरों ने नाम पूछकर गोली मारी। यह पर्यटकों पर ही हमला नहीं है, बल्कि स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी हमला है, जिनकी आजीविका पर्यटन पर निर्भर है। निर्वाचित सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद लगा था कि कश्मीर में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, लेकिन बीच-बीच में हुई छिटपुट आतंकी वारदातों से इस बात का संकेत मिल रहा था कि आतंकी मौके की तलाश में हैं। हाल ही पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की बयानबाजी ने भी आतंकियों के हौसले को बढ़ाया है। उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया था। उन्होंने 'टू नेशन थ्योरी' का जिक्रकरते हुए हिंदुओं के खिलाफ नफरती बयान देते हुए कहा था कि पाकिस्तानियों को नहीं भूलना चाहिए कि हम उनसे अलग हैं। बदहाली और कई स्थानों पर विद्रोह से जूझ रहे पाकिस्तान को एकजुट रखने के लिए शायद जनरल मुनीर को नफरती भाषण की जरूरत महसूस हुई हो, लेकिन उनकी बातों से पाकिस्तान का भी बड़ा तबका सहमत नहीं हो सकता। इसके बावजूद कट्टरपंथियों को जनरल मुनीर की बातों से ताकत मिली होगी और उनको जनरल मुशर्रफ की याद आ गई होगी, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध तेज करने के लिए जाने जाते हैं। जनरल मुनीर के बयानों से आतंकियों का दुस्साहस निश्चित रूप से बढ़ा है, इसका प्रमाण कश्मीर में हुआ आतंकी हमला है। असल में बांग्लादेश में तख्तापलट और वहां भारत विरोधी भावनाओं के उभार के बाद पाकिस्तान की शैतानी आंखों में चमक है। उसे लगता है कि अब उसे बांग्लादेश का साथ भी मिल जाएगा। चीन के साथ संबंध मजबूत करके पाकिस्तान अमरीका की कमी पूरी करने में पहले से ही लगा हुआ है। कश्मीर हथियाने के साथ ही 1971 का बदला लेने के लिए वह भारत में अशांति फैलाने की नए सिरे से कोशिश कर सकता है। यह साफ हो गया है कि पाकिस्तान, भारत में आतंकी हमलों के साथ धार्मिक अलगाव भी पैदा करना चाहता है। पाकिस्तान की इस कुटिल चाल को समझते हुए देश में अमन-चैन बनाए रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी समुदायों की यह जिम्मेदारी है कि देश का माहौल नहीं बिगड़े। सरकार आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी ही। सुरक्षा एजंसियां चौकस हैं और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरी स्थिति पर निगाह रखे हुए हैं। इस संवेदनशील मौके पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुटता दिखानी होगी। पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने और उसे कड़ा जवाब देने की रणनीति पर काम करना होगा।

पहलगाम : हमला पाकिस्तान प्रायोजित, लेकिन क्या केंद्र सरकार की नाकामी कुछ कम है?

संजय पराते

नोटबंदी के बाद मोदी सरकार का दावा था कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को खत्म करते हुए दूसरा दावा था कि आतंकवाद की जड़ को खत्म कर दिया गया है। संसद में इस सरकार ने बार बार अपनी पीठ ठोंकी है कि कश्मीर घाटी में सब ठीक है, आतंकवाद कांग्रेस के जमाने की चीज रह गई है। कल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले ने साबित कर दिया कि जम्मू कश्मीर में न आतंकवाद की जड़ खुदी है और न कमर टूटी है। कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि बलूचिस्तान में ट्रेन पर हुए हमले में भारत का हाथ है। भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ऐसे आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन क्या यह बात मानी जा सकती है कि केवल पाकिस्तान ही भारत पर आतंकी हमला करता रहता है और पाकिस्तान के अंदर भारत कोई गड़बड़ी नहीं करता? हो सकता है कि ये आतंकी हमला इसी की प्रतिक्रिया हो। यदि न भी हो, तो भी इस हमले के पाकिस्तान प्रायोजित होने में किसी को कोई संदेह नहीं है। सवाल सिर्फ यही है कि यदि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ है, तो भारत सरकार की आंख और कान (इंटेलीजेंस) कहां थी, क्या कर रही थी? जैसी कि खबरें छनकर आ रही है कि ऐसी अनहोनी होने की भनक इंटेलीजेंस को थी, उसका सक्रिय न होना या निष्क्रियता की हद तक जाकर ऐसी सूचनाओं को नजरअंदाज करना हमारी इंटेलीजेंस की सक्षमता पर और बड़े सवाल खड़े करता है। इतना ही बड़ा सवाल खड़ा होता है कश्मीर मामले को डील करने में केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता पर। पिछले 12 सालों में कम-से-कम 6 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कम-से-कम 95 लोगों की जान गई है। पिछला हमला तो पिछले साल जून में ही हुआ था। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में और हमलावरों को पकड़ने में बार-बार फेल हुई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लेने के बाद इस राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की कोई खास भूमिका नहीं है। इस राज्य और यहां के नागरिकों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और उसके अधीनस्थ गृह मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों की और इस प्रदेश के उपराज्यपाल की है। इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को इस घटना की और इससे निपटने में सरकार की नाकामी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस समय इस केंद्र शासित प्रदेश की आबादी लगभग 1.4 करोड़ होगी। पुलिस, अर्ध सैनिक बलों और सैन्य बलों को मिलाकर 4 लाख से ज्यादा जवान यहां तैनात है, यानी हर 35 नागरिक पर एक जवान। इतने सघन सशस्त्रीकरण के बावजूद, किश्तवाड़ जंगल के रास्ते से हमलावरों का आना, पर्यटकों पर 15 मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी करके 27 लोगों की हत्या कर देना आश्चर्य की बात है। लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में भी इस हमले के समय पुलिस या सुरक्षा बल का कोई जवान तक तैनात नहीं था, जो हमलावर आतंकवादियों पर गोली चलाता। यही कारण है कि सुरक्षा बलों की ओर से एक भी गोली नहीं चली और न ही हमले के तत्काल बाद पीड़ितों को कोई मेडिकल सुविधा मिली। इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई। देश के किसी भी हिस्से में लोगों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी से सरकार मुकर नहीं सकती। फिर यह हमला केंद्र की मोदी सरकार की असफलता नहीं, तो और क्या मानी जाएगी? पाकिस्तान प्रायोजित इस हमले की जितनी निंदा की जाए, कम है, लेकिन इतना ही यह भी साफ है कि कश्मीर के मामले में इंटेलीजेंस की चौकसी और भारत सरकार की नीतियां बार-बार फेल हुई है। हमले के तुरंत बाद गोदी मीडिया और संघी गिरोह का यह प्रचार भी अब पूरी तरह से झूठा साबित हो गया है कि पर्यटकों से उनका धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोलियां मारी गई है। साफ है कि इस घटना की आड़ में भाजपा और संघी गिरोह 'हिंदू-मुस्लिम' और 'भारत-पाकिस्तान' के नाम पर नफरत की राजनीति करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के खेल में लग गया है, ताकि बिहार और कुछ राज्यों के होने वाले चुनावों में फायदा उठा सकें। अब यह संभव है कि मुस्लिम विरोधी सांप्रदायिक भावना और पाकिस्तान विरोधी राष्ट्रवादी भावना उभारने के लिहाज से मोदी सरकार कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी कर दें। इस आतंकी हमले में केवल हिन्दू ही नहीं, एक मुस्लिम भी, जिनका नाम सैयद हुसैन शाह है, और कुछ विदेशी पर्यटक भी मारे गए हैं। हमले के बाद पीड़ितों की सेवा में कश्मीर का मुस्लिम समुदाय जिस एकजुटता के साथ सामने आया, वह अभूतपूर्व है। सोशल मीडिया में एक स्टोरी तैर रही है कि छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को किस तरह एक स्थानीय मुस्लिम कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने बचाया है। इस हमले में कर्नाटक से आए पर्यटक मंजूनाथ भी मारे गए हैं। हमले में जीवित बची उनकी पत्नी पल्लवी के इस वक्तव्य को भी नोट करने की जरूरत है "उस दहशत और लाचारी के पल में तीन कश्मीरी युवक आए और हमें बचाया। हमारी मदद करते हुए वे बिस्मिल्लाह, बिस्मिल्लाह कहते रहे। उन्होंने हमें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मैं आज उन्हीं की वजह से जिंदा हूं। वे अब अजनबी नहीं रहे वे मेरे भाई हैं। इस तरह की दसियों स्टोरी अभी और सामने आएंगी। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की सिल्वर लाइन है, जो न आतंकियों की गोलियों से मिटने वाली है और न संघी गिरोह की नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक राजनीति से। कश्मीर की असली ताकत यही है। यह बात आईने की तरह साफ है कि इस हमले से कश्मीर के पर्यटन उद्योग का बहुत नुकसान होने जा रहा है। लेकिन इन हमलों के पीछे जो लोग हैं, वे कश्मीर के लोग तो नहीं ही हैं, क्योंकि कोई अपनी रोजी रोटी और आजीविका पर लात नहीं मारता। असली दुश्मन तो वे लोग हैं, जो विभाजन, हिंसा और नफ़रत की राजनीति से फ़ायदा उठाते हैं। इस कत्लेआम के विरोध में कश्मीर घाटी बंद रही। इस बंद के समर्थन में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और माकपा सहित घाटी की लगभग सभी राजनैतिक धाराएं साथ आई। कई सामाजिक-धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और नागरिक समाज के विभिन्न तबकों ने इस आतंकी हमले की खुलकर खिलाफत की है और बंद का समर्थन किया है। घाटी में कई जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की है। आतंकी हमले का ऐसा एकजुट विरोध पिछले 35 साल में पहली बार देखने को मिल रहा है। घाटी में बंद की सफलता से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दरार डालने की आतंकी कोशिशें नाकाम साबित हुई है। यह कश्मीर के सुखद भविष्य का संकेत है। कश्मीर के मामले में संवेदनशील सैन्य सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से कई संघी गिरोह से ही जुड़े हुए हैं। अभी तक गिरफ्तार लोगों में न कोई मुस्लिम है, न ईसाई, और न ही कोई सिख या बौद्ध। मनोज मंडल (मध्यप्रदेश), ध्रुव सक्सेना (बिहार), राजीव शर्मा -- इनमें से ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिनके भाजपा से संबंध जगजाहिर थे। मध्यप्रदेश में तो थोक के भाव में आरएसएस के 11 कार्यकर्ता, जिनमें एक भाजपा पार्षद भी शामिल था, जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुए हैं। इसलिए यह बात जोरदार ढंग से कही जा सकती है कि भाजपा-संघ का राष्ट्रवाद छद्म-राष्ट्रवाद हैं, जो व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता की देशभक्ति की भावना का शोषण करता है। संघी गिरोह को पहलगाम के आतंकी हमले में छुपे संकेतों को सही अर्थ ग्रहण करना चाहिए। कश्मीर की समस्या एक राजनीतिक समस्या है और इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक ही होगा। कश्मीर की समस्या का जितना संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से है, उतना ही संबंध भाजपा की नीतियों से भी है। इन नीतियों ने इस राज्य का विखंडन कर उसकी अस्मिता को रौंदने का काम किया है, इन नीतियों ने कश्मीर की कॉरपोरेट लूट के लिए दरवाजे खोले हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर की विशेष स्थिति को खत्म करने का मकसद भी यही था। भाजपा की नीतियों ने पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए जो मुस्लिम विरोधी भावनाएं पनपाई हैं, वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम करता है। इसलिए, यदि इस आतंकवाद का मुकाबला करना है, तो हिंदुत्व की राजनीति के साथ कॉरपोरेटों के गठजोड़ को शिकस्त देने के लिए आम जनता को लामबंद करना होगा। कश्मीर के संदर्भ में असली राजनैतिक चुनौती यही है।

(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध)

दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की हाईस्पीड सेवा की कछुआ चाल

शरद शर्मा

सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने की बात हो या फिर अत्यावश्यक सेवाओं की सुचारू उपलब्धता की। इंटरनेट अब जीवन का अहम अंग बन चुका है। डिजिटल भुगतान से लेकर ऑनलाइन शिक्षा तक इंटरनेट के कारण ही संभव हो पा रही है। देखा जाए तो आज इंटरनेट के बिना पूरी दुनिया में कामकाज की रफ्तार तेज होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दूरदराज इलाकों में चिकित्सा व्यवस्था और सरकारी महकमों में जनता से जुड़े कामकाज भी काफी हद तक इंटरनेट सुविधा पर आश्रित हो गए हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दूरदराज के इलाकों में संचार क्रांति पहुंचाने के प्रयास पिछले वर्षों में खूब हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस सेवा को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुदृढ करने के लिए सालभर पहले ही 'फाइबर टू द होम' के जरिए हाईस्पीड इंटरनेट सेवा पहुंचाने की कवायद भी शुरू की थी। इसका उद्देश्य दूर दराज के इलाकों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ देना था। राजस्थान के चार हजार गांवों में आठ हजार सरकारी कार्यालय, स्कूल और डिस्पेंसरी को इस सेवा से जोडने का लक्ष्य रखा गया था। दूरसंचार विभाग की ओर से राज्य सरकार को करीब 120 करोड़ रुपए भी जारी कर दिए गए। राजस्थान के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग ने बीएसएनएल के माध्यम से काम कराने का निर्णय कर राशि जारी भी कर दी। लेकिन चिंता की बात यह है कि केंद्र सरकार की 'डिजिटल इंडिया' की मुहिम पर सरकारी लेटलतीफी हावी होती दिख रही है। करीब एक साल बीत जाने के बाद भी जिम्मेदारों में समन्वय के अभाव में हाईस्पीड इंटरनेट का काम अभी तो शुरू ही नहीं हो पाया है। एक तरफ इंटरनेट में एआइ तकनीक के उपयोग ने कामकाज और आसान किया है वहीं तमाम सुविधाओं के बाद भी सरकारी कार्यप्रणाली अपने पुराने ढर्रे पर ही चल रही है। इस लेटलतीफी के कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां खराब मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण लोगों का आपस में बात करना तक मुश्किल हो रहा है, वहां हाईस्पीड इंटरनेट के जरिए तमाम सेवाओं को सुचारू कर आमजन को राहत मिलना फिलहाल दूर की कौड़ी बना हुआ है। ऐसे में ज्यादा परेशानी उनको हो रही है जिन्हें केंद्र व राज्य सरकार की पेंशन, राहत या अन्य योजनाओं का पैसा डिजिटली ट्रांसफर किया जा रहा है। राज्य सरकार को संबंधित एजेंसियों को पाबंद करना होगा कि वे काम की रफ्तार बढ़ाएं ताकि लोगों को राहत मिले अन्यथा लोग परेशान होते ही रहेंगे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की दी सौगात

हाजीपुर – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उनमें जयनगर पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी 'नमो भारत' रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी। नमो भारत रैपिड रेल तेज एक्सेलरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मा-ॅड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है। इस ट्रेन की एक खासियत इसका 'कवच' सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिक्टेशन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है। सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इस-ाके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है। अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑ-टोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का महारथी भी बनाती है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

ATM एवं BTM अनिश्चितकालीन धरना में बैठे हुए थे जबरन स्थानीय नेताओं एवं जिला कृषि पदाधिकारी के मिली भगत के द्वारा धरना समाप्त कर दिया गया

कोडरमा संवाददाता

कार्यालय कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण आत्मा कोडरमा जिला कार्यालय के समक्ष जो हम सभी चयनित अभ्यर्थी तारीख 15/04/2025 से जो अनिश्चितकालीन धरना में बैठे हुए थे। हम लोगों के साथ जबरन तथा कठिक कुछ स्थानीय नेताओं एवं जिला कृषि पदाधिकारी के मिली भगत के द्वारा दिनांक 22/04/2025 को धरना समाप्त करने की । और कहा गया कि यह जो आम समिति से जो लिखित समझोता नामा बन रहा है कि नए सिरे से एक महीने के अंदर बहाली की प्रक्रिया की जाएगी जिस पर आप भाग लेंगे इस बात पर हमलोग सहमत है और अपना आंदोलन समाप्त कर रहे हैं डर से हम लोग थरथरा रहे थे ऐसा माहौल तैयार किया गया कि एक अभियार्थि ही उस पर अपना हस्ताक्षर कर दिया हमलोगों का आम सहमति नहीं बना है इससे पहले उसी दिन हम सभी अभियार्थियो के साथ उपयुक्त से बात हुई थी उन्होंने भी हमलोगों को ये बोले थे कि गलती विभाग की तरफ से हुई है और अगर आप लोग हाईकोर्ट जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं क्योंकि बहाली को निरस्त हमने किया है तो हम ही इसे लागू नहीं कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की इसमें कोई गलती नहीं है इसलिए या आपबीती हम सभी प्रेस के माध्यम से उजागर कर रहे हैं और नई बहाली के साँठगांठ से नियुक्ति करने पर जो कृषि पदाधिकारी उतारू है इसे हम सब गलत समझ रहे हैं हम लोग जल्द उच्च न्यायालय जाने वाले हैं निश्चित ही हमलोगों को न्यायपालिका पर भरोसा है हमें न्याय मिलेगी।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय देवीपुर में छात्रा की मौत मामले में वार्डन के विरुद्ध केस दर्ज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अचानक छात्रा मधु कुमारी जो वर्ग सप्तम में अध्ययनरत थे। उनके मौत के मामले में मृतक के पिता स-रदार यादव ग्राम नावाडीह के द्वारा वार्डन पिंकी कुमारी के विरुद्ध थाना में आवेदन दिया गया। जिसमें आवेदन में वार्डन के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसके पर देवीपुर थाना में कांड अंकित कर मामले में छानबीन कर रही है। वहीं विभाग की ओर से आरोपी वार्डन को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय देवीपुर से हटाया गया।

पहलगाम के दोषियों को कठोर सजा दी जाए

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बी.डी पब्लिक स्कूल, शिवाला में सभी शिक्षकों एवं बच्चों ने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों को धर्म के आधार पर नाम पूछ -पूछकर आर्तकियों द्वारा निःशंस हत्या करने के आक्रोश में एक आक्रोश सभा की गई.. जिसमें जान गंवाने वाले भारतीयों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई.. मार्गदर्शक अवध किशोर मिश्र ने कहा कि इस नृशंसता की भर्त्सना के लिए शब्द नहीं मिल पा रहे हैं.. हृदय में अथाह मर्मांतक पीड़ा के साथ साथ असीम गुस्सा भी है.प्रत्येक भारतीय इस कायराना हरकत के लिए जिम्मेवार लोगों एवं आर्तकियों और उनके समर्थकों को कठोर से कठोरतम दंड की अपील कर रहा है. वह त्वरित कारवाई देखना चाहता है.. ऐसी कारवाई.. जिससे भविष्य में ऐसे घृणित करने में उन देश द्रोहियों की रूह काँप जाए।

प्रतिमा विध्वंस पर सियासत गरमः लोजपा नेता बिजय कुमार अकेला ने प्रशासन की निष्क्रियता पर उठाए सवाल

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह में बाबा स-ाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना पर लोजपा नेता सह प्रदेश सचिव सह रोहतास जिला सह प्रभारी बिजय कुमार अकेला ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है। श्री अकेला ने कहा कि यह केवल एक मूर्ति तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज को बांटने की गहरी साजिश है। उन्होंने पूर्व की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि दाउदनगर के महावर गांव में रामविलास पासवान की प्रतिमा और तरारी में संत रविदास जी की प्रतिमा को भी पहले क्षतिग्रस्त किया गया, लेकिन प्रशासन ने केवल खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। भेदभाव की राजनीति का आरोप लगाते हुए उन्होंने प्रशासन से दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। अकेला ने हसपुरा प्रखंड के कई पंचायतों में मंदिरों में मांस रखने जैसी घटनाओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि ये समाजिक समरसता को बिगाड़ने की कोशिशें हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो लोजपा सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। अब समय आ गया है कि प्रशासन अपनी चुप्पी तोड़े और दोषियों के खिलाफ क-ड़ी कानूनी कार्रवाई करे, ताकि ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें,।

उपहारा पुलिस ने फरार नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार, न्यायालय से था कुर्की वारंट जारी

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)उपहारा थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी स्वर्गीय मेघराम के पुत्र अम्बिका राम पर थाना कांड संख्या 32/21 के तहत न्यायालय द्वारा कुर्की वारंट निर्गत किया गया था। थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने जानकारी दी कि अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

औरंगाबाद पुलिस ने जिले के टॉप-10 सूची में शामिल एवं लूट कांड को अंजाम देने वाले कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- पुलिस ने जिले के टॉप-10 सूची में शामिल एवं लूट कांड को अंजाम देने वाले कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार। इस बात की जानकारी पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने अपने कार्यालय के सभागार कक्ष में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर पत्रकारों को जानका-री देते हुए बताया कि औरंगाबाद को अपराध मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से हत्या, लूट, डकैती जैसे गंभीर अपराध के कांडों में वांछित अपराधकर्मीयों के गिरफ्तारी हेतु अभियान चलया जा रहा है। दिनांक-09.01.2016 को हसपुरा थानांतर्गत पचरुखिया के पास उजाला रंग का स्कार्पियो पर सवार अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा चालक एवं कंडक्टर को बंधक बनाते हुए ट्रक पर लवे हल्दी वाहन सहित लूट की गई थी। इस संदर्भ में हसपुरा थाना कांड संख्या-07/2016, दिनांक-09.01.2016 में सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। इसी मुहिम के तहत पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद द्वारा अपने निर्देशन में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी दाउदनगर के नेतृत्व में एक SIT का गठन किया गया। इसी SIT को टॉप-10 की सूची में शामिल शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। औरंगाबाद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए पूर्व में ही लूट की गई ट्रक को डेहरी, रोहतास से बरामद किया एवं इस काण्ड में संलिप्त 10 अभियुक्तों में से 07 अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा इनके विरूद्ध आरोप पत्र समर्पित है। गठित रक्ळ टीम द्वारा सी०सी०ट-ी०वी० फूटेज का अवलोकन, आसूचना संकलन, ह्यूमन इनटेलीजेन्स एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी रोहित कुमार जो पिछले 10 वर्षों से पुलिस के डर से भागा फिर रहा था उसे अथक प्रयासों एवं लगातार छापामारी कर दिनांक-23. 04.2025 को हसपुरा थानान्तर्गत ग्राम कोइलवा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार किया एवं न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। शेष अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध लगातार छापामारी की जा रही है जल्द ही गिरफ्तारी सुनिश्चित कर ली जायेगी।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से सिजेरियन ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत

परिजनों ने लगाया पेशाब की नश काटने का आरोप

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह थाना मुख्यालय के तुलसी बिगहा में एक झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से सिजेरियन ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान गोह थानाक्षेत्र दरधा गांव निवासी संकर गुप्ता की पत्नी रोमी देबी के रूप में हुई है. मृतका के परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर प्रसव के दौरान नस काटकर हत्या करने का आरोप लगाया है.गुस्साए परिजनों ने शव को क्लिनिक के पास रखकर सड़क जाम कर मुआबजे की मांग करने लगे। थानाध्यक्ष के हस्तक्षेप के एक घंटे बाद जाम को हटाया गया। परिजन ने बताया की दरधा गांव निवासी संकर गुप्ता की पत्नी रोमी देबी को डिलीवरी कराने के लिए गोह के तुलसी बिगहा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. निजी क्लिनिक के चिकित्सक ने नॉर्मल प्रसव की जगह ऑपरेशन करने को कहा. हालांकि परिजन ऑपरेशन कराने को तैयार नही थे, लेकिन झोलाछाप डॉक्टर ने परिजनों को ऑपरेशन करने का दबाव दिया. इसके बाद उसका ऑपरेशन करने लगा. आरोप हैं की सिजेरियन के दौरान डॉक्टर ने मरीज के पेशाब का एक नस काट दिया. जब महिला की स्थिति बिगड़ी तो झोलाछाप डॉक्टर ने गया रेफर कर दिया। परिजनों ने गया लें गये। जहां के चिकित्स्कों ने जांच के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया जहां एक निजी में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर गोह पहुंचे हलाकी जानका-री मिलते ही डॉ ने आनन फान्न में क्लिनिक का बोर्ड हटाकर ताला बंद कर फरार हो गये। परिजनों ने शव को क्लिनिक के पास रखकर उपहारा गोह पथ को जाम कर दिया। इस दौरान लगभग एक घंटा जाम लगा रहा। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मो इरसाद ने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर आक्रोशतो को समझा बुझा कर जाम हटवाया। गोह थानाध्यक्ष मो इरसाद ने बताया कि परिजनों का आरोप था की झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला की मौत हुई है.लेकिन परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया हैं।परिजनों के द्वारा आवेदन मिलने पर आगे की कारवाई की जाएगी। फिलहाल घटना के बाद से झोलाछाप डॉक्टर फरार चल रहा है.

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में भीष्ण गर्मी एवं लू की तैयारियां के निमित्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में भीष्ण गर्मी एवं लू की तैयारीयों के निमित्त समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा गर्मी के मौसम में संभावित आपदा से सुरक्षा हेतु विभागवार समीक्षा की। गर्मी के कारण जिले में हो रहे हीट वेव (लु),सुख-ाड़,पीने का पानी की कमी, लू जैसे आपदा से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पदाधिकारी के द्वारा सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल, दवाइयां, मरीज के लिए बेड, डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ती, कुलर आदि का समुचित व्यवस्था किया जाए। जिला पदाधिकारी के द्वारा यह भी बताया गया कि किसी भी प-रिस्थिति लू से ग्रसित मरीजों के इलाज में कोताही नहीं बरती जाए। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी नगर परिषद/ नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से संबंधित वार्डो में पेयजल की समस्या की तैयारी किस प्रकार कर रहे हैं इसकी बिंदुवार जानकारी ली एवं वार्डो में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था टैंकर, वाटर एटीएम एवं पेआउ के माध्यम से माध्यम से करने का निर्देश दिए। कार्यपालक अभियंता पीएचईडी से चापाकल की मरम्मत की स्थिति, नल जल की मरम्मत की स्थिति, नए चापाकल अधिष्ठापन की स्थिति एवं कितना जगह चापाकल फेल हुआ है उसकी स्थिति का जायजा लिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में अधिकांश जगह आग लग रही है जो बेहद ही चिंता का विषय है इस पर काबू पाया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारीयों से आग लगने का मुख्य कारण अवगत हुए एवं फसल कटनी के बाद आग लगाने वाले किसानों को चिन्हित कर एफआ-ईआर दर्ज करने का निर्देश सभी अंचल अधिकारी को दिये। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी के द्वारा जिले में संभावित बाढ़ एवं सुखाड की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई आवश्यक दिशा संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिये। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता श्री ललित रंजन भूषण, अपर समर्थ आपदा श्री उपेंद्र पंडित, वरीय उपसमाहर्ता मेराज जमील एवं रितेश कुमार यादव, कार्यपालक अभियंता पीएचडी एवं विद्युत, सिविल सर्जन, एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी ने जनता दरबार लगाकर कई समस्याओं का निष्पादन किया

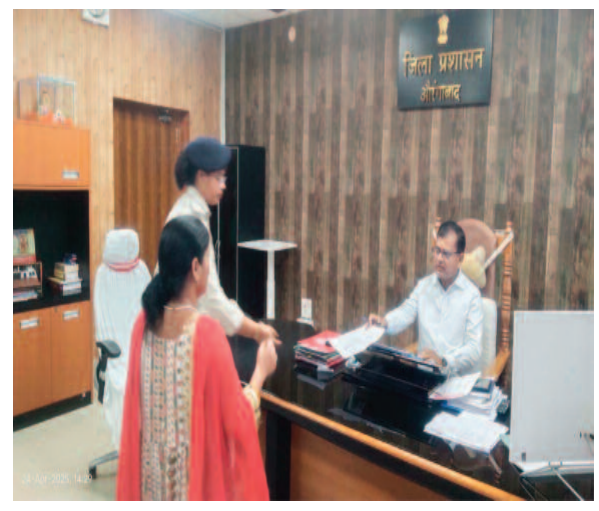

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का निष्पादन किया। इस जनता दरबार में जिला पदाधिकारी द्वारा कुल-07 ग्रामीणों की परिवाद सुनवाई करते हुए त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों के पास परिवाद पत्र भेजते हुए यथाशीघ्र मामला को निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। दायर परिवाद पत्र में राजाराम चौधरी एवं अन्य, ग्राम-कंचनपुर, प्रखण्ड-ओबरा के द्वारा ग्राम पंचायत कंचनपुर, प्रखण्ड ओबरा के पंचायत सरकार भवन पंचायत मुख्यालय में न बनाकर ग्राम तेन्दुआ हरकेश में अवैध तरीके से बनाने के संबंध में, श्रीमती रीता देवी, लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, ग्राम+पो० मिजार्पुर, पंचायत अंकोरहा, गाम माली, प्रखण्ड-नवीनगर के द्वारा ग्राम मिजार्पुर में लक्ष्मी रलऋके सदस्य रीता देवी से अगरबती मशीन खरीद के दौरान अवैध ढंग से पैसा निकासी के संबंध में, श्रीमती देवन्ती कुमारी, ग्राम-बगाही, पो०-जयगोविन्द नगर (मखरा) थाना-बारूण के द्वारा पिता के मृत्यु के बाद नौकरी और पैसा पर रोक लगाने के संबंध में, अशोक पाण्डेय, ग्राम-अम्बा धमनी, सिमरी धमनी, थाना-माली, प्रखण्ड-नवीनगर के द्वारा खतियानी जमीन में मुख्य मंत्री ग्रामीण सड़क में गलत तरीका से अंचल अधिकारी, नवीनगर के मापी के संबंध में इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा अन्य ग्रामीणों का परिवाद पत्र का सुनवाई किया गया।

शुक्र गुलजार शनि बहार के कार्यक्रम में अनिल कुमार चंचल द्वारा गजल की बेहतरीन प्रस्तुति

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में शु-क्र गुलजार शनि बहार कार्यक्रम के निमित राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लेखक, गजल गायक एवं गीतकार अनिल कुमार चंचल की प्रस्तुति की गई।स-र्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज डेहरी ऑन सोन के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह,दानिका के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी एवं अन्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। डॉ रविंद्र रविंद कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का संचालन लोक संगीत की मशहूर गायिका अंजली सिंह द्वारा किया गया। आगत अतिथियों को अंग वस्त्र, पुष्पहार एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अनिल कुमार चंचल ने गजल की बेहतरीन प्रस्तुति दी। जिंदगी के विभिन्न आयामों,प्रतिमानों एवं संघर्षों से संबोधित लय, ताल में जब उन्होंने गजल को गाया तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग गीत के बोल के साथ-साथ गुनगुनाने लगे। मुख्य अतिथि ने संबोधन के क्रम में कहा कि दानिका के द्वारा जिस तरह से कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं वह आने वाले भविष्य में एक नजीर साबित होगी।संगीत की दुनिया में डॉ रविंद्र कुमार ने जो मुकाम हासिल किया है इसके लिए इन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाना चाहिए।दानका के केंद्राधीक्षक शशि देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।आज के कार्यक्रम में मोहित सिंह,शिवांगी सिंह, संगीत शिक्षक वेद प्रकाश, खुशबू कुमारी,रवि शंकर सहित अन्य उपस्थित थे।

सराय काले खां स्टेशन पर पूरा हुआ एफओबी का सिविल निर्माण कार्य, बैरिकेडिंग हटी

एजेंसी

गाजियाबाद। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन को भारतीय रेलवे के हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। 280 मीटर लंबे इस फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर एनसीआरटीसी ने छह ट्रैवेलेटर लगाए गए हैं, जिनके इंस्टॉलेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यह एफओबी इन दोनों परिवहन साधनों के बीच यात्रियों की सुगम और सहज आवाजाही को सक्षम बनाएगा। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस एफओबी के निर्माण के पूरा होने के साथ ही एनसीआरटीसी ने रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क से बैरिकेडिंग हटाकर पूरी सड़क को जनता के लिए खोल दिया गया है। इसके अलावा, लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनसीआरटीसी ने इस सड़क पर तारकोल का ब्लैक टॉप लगाकर सड़क को अपग्रेड भी किया है। सराय काले खां का यह इलाका बेहद भीड़भाड़ वाला है और इस सड़क पर यातायात का आवागमन बहुत ज़्यादा रहता है। एनसीआरटीसी की इस पहल से इस सड़क की लाइफ साइकिल बढ़ जाएगी। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी करीब 300 मीटर है। इस दूरी को देखते हुए पैदल यात्रियों के लिए एक फुट ओवरब्रिज की आवश्यकता महसूस की गई ताकि यात्री इन दोनों परिवहन साधनों के बीच सुगमता से यात्रा कर सकें।

एनसीएएचपी के सहयोग से दस संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों के लिए नया योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसाय आयोग (एनसीएएचपी) के सहयोग से दस संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायों के लिए योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। निर्माण भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने इन पाठ्यक्रमों को जारी किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव हेकाली झिमोमी और एनसीएएचपी की अध्यक्ष डॉ. यज्ञ शुक्ला भी उपस्थित थीं। इन पाठ्यक्रमों में फिजियोथेरेपी, एप्लाइड साइकोलॉजी और व्यावहारिक स्वास्थ्य, ऑप्टोमेट्री, पोषण और आहार विज्ञान, डायलिसिस थेरेपी तकनीक और डायलिसिस थेरेपी, रेडियोथेरेपी तकनीक, मेडिकल रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक, एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थियेटर तकनीक, स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन और फिजिशियन एसोसिएट्स सहित व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हैं। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य देश भर में संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की शिक्षा और प्रशिक्षण में एकरूपता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि पाठ्यक्रम का व्यापक संशोधन और मानकीकरण शैक्षिक सामग्री और वितरण में स्थिरता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को सुप्रीम कोर्ट ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दो मिनट का मौन रखा गया। ठीक दो बजे सुप्रीम कोर्ट में सायरन बजा और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के लॉन में वकीलों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। चीफ जस्टिस के कोर्ट रूम नंबर एक में भी आज चीफ जस्टिस और कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों ने खड़े होकर मौन श्रद्धांजलि दी। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में आतंकी हमले में पर्यटकों समेत 28 लोगों की मौत हो गयी।

भारत ने पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक एक्स अकाउंट किया ब्लॉक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल को ब्लॉक कर दिया है। इस हमले में 27 लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। भारत ने इस हमले को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। इस हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका है, जिसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाइयों की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले को ÷निर्दोष नागरिकों पर कायराना कृत्य करार देते हुए सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को लक्षित करने वाली कई कार्रवाइयों की घोषणा की। भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति (पर्सोना नॉन ग्राटा) घोषित कर दिया है। इन अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। साथ ही, भारत ने इस्लामाबाद में अपने उच्चायोग से रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

पहलगाम हमला: पाकिस्तान से रिश्ते लगभग समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, पाकिस्तान के नागरिकों के लिए सार्क वीजा जारी करने पर रोक लगाने और अटारी-वाघा सीमा को बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही पाकिस्तान के उच्चायोग को सीमित करने का भी निर्णय लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हमले में 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश सचिव ने जानकारी दी। इसके अनुसार, सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा, जब तक

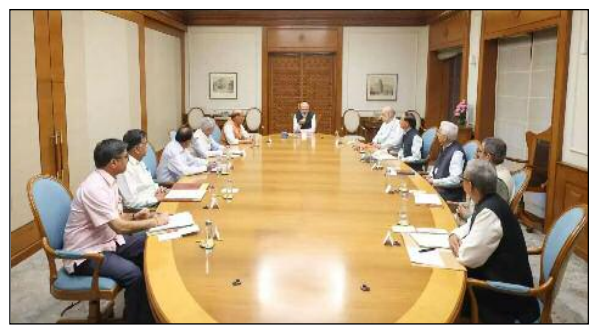

पाकिस्तान क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का समर्थन छोड़ने की विश्वसनीय और स्थायी प्रतिबद्धता नहीं करता। अटारी चेक पोस्ट को तुरंत बंद किया जाएगा, जो लोग वैध अनुमोदनों के साथ पार कर चुके हैं, उन्हें 01 मई 2025 से पहले लौटने का अवसर दिया जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए गए हैं और वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ना होगा। पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। भारत भी इस्लामाबाद में अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। इसके अलावा, उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 01 मई 2025 तक प्रभावी होगा। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भारत आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को जारी रखेगा।

पहलगाम में आतंकी घटना की मुस्लिम संगठनों ने की कठोर शब्दों में निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की चौतरफा निंदा की जा रही है। देश के बड़े मुस्लिम संगठनों ने भी इस जघन्य अपराध की निंदा करते हुए इस घटना में शामिल आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही इन संगठनों ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त की है और देश मे शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की बोर्ड कड़ी निंदा करता है और इस दुःखद घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और मांग की है कि भारत सरकार जल्द से जल्द इस घटना की जांच कराए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। मौलाना ने दुर्घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी हार्दिक सहानुभूति आपके साथ है। इसके साथ ही मौलाना ने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की मजबूत मौजूदगी और सीमाओं पर सेना की तैनाती और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी ताकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जा सके। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हम इस दुखद घटना में मारे गए।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर एनसीपीयूएल के तत्वावधान में पुस्तक सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। पुस्तकों का कॉपीराइट से बहुत गहरा संबंध है। शायद यही कारण है कि दोनों का विश्व दिवस हर वर्ष एक ही दिन अर्थात 23 अप्रैल को संयुक्त रूप से मनाया जाता है। ऐसे में राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) के तत्वावधान में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक दिवसीय पुस्तक सम्मेलन काफी सफल और समग्र कहा जा सकता है, जिसमें कॉपीराइट की चुनौतियों से लेकर नई पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके साथ ही कई पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। पुस्तक सम्मेलन के अंतर्गत तीन सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र का शीर्षक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट की चुनौतिया' था जिसकी अध्यक्षता जामिया हमदर्द के कुलपति प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने की। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. शम्स इकबाल ने परिचयात्मक एवं स्वागत भाषण देते हुए कहा कि एक पुस्तक पाठक, लेखक और प्रकाशक की त्रिमूर्ति से बनती है।

किसी पुस्तक से बौद्धिक विमर्श स्थापित किया जा सकता है। केवल पुस्तकों के माध्यम से ही हम सभ्य समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि लेखन और सृजन का उदाहरण बच्चे का है, जो उसके लेखक की संपत्ति है। किसी की पुस्तक या रचना को अपने नाम से कृत्रिम बुद्धि (एआई) या किसी अन्य माध्यम से प्रकाशित करना किसी के बच्चे का अपहरण करने जैसा है। प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि कॉपीराइट आज के युग का एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है और सरकार के साथ-साथ कई शैक्षणिक संस्थान भी इसके प्रति संवेदनशील हो गए हैं और इस संबंध में कदम भी उठा रहे हैं। राष्ट्रीय उर्दू परिषद का यह कार्यक्रम इस संबंध में एक यादगार कदम है। वाणी प्रकाश ग्रुप, नई दिल्ली की सीईओ सुश्री अदिति माहेश्वरी ने कहा कि एआई के युग में कॉपीराइट के मुद्दे बहुत बढ़ गए हैं। वर्तमान युग में, जब एआई अपने चरम पर है, एक नए संशोधित कॉपीराइट कानून की आवश्यकता है। अपने भाषण में प्रख्यात बौद्धिक संपदा अधिकारों की वकील डाहलिया सेन ओबेरॉय ने कॉपीराइट के विभिन्न पहलुओं तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में इसकी चुनौतियों पर सुसंगत एवं विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि कॉपीराइट का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी एवं न्यायिक कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि कॉपीराइट का उल्लंघन वास्तव में किसी की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है तथा किसी दूसरे की संपत्ति हड़पने जैसा है। सत्र का संचालन डॉ. शादाब शमीम ने किया। दूसरे सत्र में 'प्रेमचंद= मोतालए की नई जेहतें' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं प्रवेश कर सकेंगे बीएस छह से कम मानक वाले वाणिज्यिक वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एक नवंबर से बीएस छह से कम मानक वाले ट्रकों एवं वाणिज्यिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक और डीजल की सिर्फ बीएस-6 बसें, ट्रकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-VI, सीएनजी, एलएनजी और आईएलवी के अलावा सभी परिवहन, वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पंजीकृत बीएस 6 मानक से कम वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। इस निर्देश को दिल्ली से सटे सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है। सीएक्यूएम द्वारा दिल्ली से सट सभी राज्यों को जारी अपने निर्देश में कहा कि एक जुलाई 2025 से 10 साल से ऊपर वाली डीजल गाड़ियां और 15 साल से ऊपर वाली गाड़ियों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित एएनपीआर

कैमरों या अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से ऐसी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में ट्रकों के 126 सीमा प्रवेश बिंदुओं पर सख्ती से इस नियम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर स्थित एनएचएआई के 52 टोल प्लाजा को वाहन डेटाबेस से जुड़े एएनपीआर कैमरे प्रदान किए गए हैं, जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में वाहनों की पहचान करने में मदद करेंगे। बीओएल वाहनों की पहचान ' वैध पंजीकरण, फिटनेस, पीयूसी, परमिट और बीमा से किया जाएगा। यह निर्देश सर्दियों में दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआईआईएपी) के तहत निर्देशों की समय समय पर समीक्षा भी की जाती है।

केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड की 38वीं बैठक संपन्न, ऐतिहासिक धरोहर स्थलों पर पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मंडपम में केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड (सीएबीए) की 38वीं बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में भारत के समृद्ध पुरातात्विक विरासत स्थलों की सुरक्षा और संवर्धन की दिशा में सामूहिक प्रयास और पर्यटकों के अनुभवों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' के आदर्श वाक्य को दोहराते हुए कहा कि विरासत स्थलों पर आगंतुकों और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। हाल ही में उत्खनन और अन्वेषण कार्यों की बढ़ती संख्या की सराहना करते हुए मंत्री ने उत्खनन और अन्वेषण परियोजनाओं को अधिक व्यापक, समावेशी और दूरगामी बनाने पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने एएसआई के अंडरवाटर पुरातत्व विंग (यूएडब्ल्यू) के पुनरुद्धार की रूपरेखा तैयार की, जिसके तहत द्वारका के पानी में अन्वेषण चल रहा है। उन्होंने भारत में पुरावशेषों की सफल वापसी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश की सांस्कृतिक पहचान को बहाल करने में एक बड़ी उपलब्धि है और वैश्विक सांस्कृतिक विरासत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने पुरातत्व और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में हितधारकों के बीच नियमित संवाद और सहयोगी योजना सुनिश्चित करने के लिए सीएबीए की लगातार वार्षिक बैठकों की आवश्यकता पर भी जोर दियाइस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने भारत की विविध विरासत और स्मारकों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दो दिवसीय असम दौरा स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रस्तावित दो दिवसीय असम दौरा स्थगित हो गया है। यह जानकारी राज्यपाल सचिवालय ने दी है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल से असम के दौरे पर आना था। उन्हें शुक्रवार को यहां गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। राष्ट्रपति का कार्यक्रम स्थगित होने के बावजूद दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किया जाएगा। बुधवार को राज्यपाल सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन से एक संदेश मिला है, जिसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में हुए हमले के कारण राष्ट्रपति का दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल की शाम दो सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुवाहाटी आना था। शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रसिद्ध नृत्यांगना सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार सौंपने का कार्यक्रम था। इसके अलावा उसी दिन शुक्रवार शाम को गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्र हित में एक देश एक चुनाव: शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास की क्रमिक निरंतरता सुनिश्चित करने, चुनावी व्यय को घटाने और देश के संसाधनों का राष्ट्रहित में उपयोग बढ़ाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। शिवराज सिंह छात्र नेताओं द्वारा आरंभ किए गए एक नवीन मंच स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन के तत्वावधान में डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय छात्र नेता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के 31 राज्यों के छात्र नेता दिल्ली में एकत्र हुए हैं और सभी ने संकल्प लिया है कि बार-बार चुनाव होने से देश का विकास बाधित होता है, प्रगति बाधित होती है और जनकल्याण के कार्य प्रभावित होते हैं। इससे देश के धन और संसाधनों का दुरुपयोग होता है। इसलिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव हर पांच साल में एक बार एक साथ होने चाहिए ताकि पांच साल के लिए चुनी गई सरकारें देश और राज्यों की प्रगति और विकास के लिए एकजुट होकर काम कर सकें। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

पांचों साल, 12 महीने चलने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में बाधा हैं। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव खत्म नहीं हुए कि उसके चार माह बाद देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव खत्म हुए नहीं कि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव शुरू हो गए। ये चुनाव हुए नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया और अब सभी राजनैतिक दल व नेता बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इन बार-बार होने वाले चुनावों में बड़ी मात्रा में धन खर्च होता है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित युवाओं से 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

मेयर ने दक्षिणी महरौली में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर महेश कुमार खीची ने दक्षिणी महरौली विधानसभा में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इसका हर वर्ग को लाभ मिलेगा।महेश कुमार खीची ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि महरौली की जनता को अच्छी सुविधा देने के लिए पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया गया है। इससे जनता को फायदा होगा। जनता इसमें कम खर्च में सारी सुविधा का लाभ उठा सकती है। खीची ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि देश के लोगों तक बाबा साहेब के विचार पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक के खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनको यहां कम दाम में अच्छा इलाज मिल सकेगा। खीची ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए आआपा के पार्षदों को तोड़ने का काम कर रही है। इस अवसर पर महरौली के चेयरमैन किशन जागड़, निगम पार्षद रेखा महेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली महापौर और उप महापौर पद के उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया का आखिरी दिन था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है।

विदेश मंत्रालय ने आधीरात पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद को तलब किया, 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा के बादआधीरात विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद अहमद वार्राइच को तलब किया। भारत सरकार ने साद को औपचारिक 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा है। पर्सोना नॉन ग्राटा का सीधा मतलब यह होता है कि किसी राजनयिक या विदेशी व्यक्ति को किसी विशेष देश में प्रवेश या रहने से मना करना। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य राजनयिकों के लिए ये नोट थमाया है। इसके बाद उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ना होगा। पहलगाम हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की आपात बैठक हुई। यह करीब दो घंटे तक चली। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेशमंत्री एस. जयशंकर समेत अन्य वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। इस बैठक में आतंकवादी हमले को गंभीरता से लेते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बैठक में लिए गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीसीएस ने फैसला किया है कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में

तैनात डिफेंस, नेवल और एयर एडवाइजर्स को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भारत अपने सैन्य सलाहकारों को भी वापस बुलाएगा। सरकार ने अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ पहले ही इस मार्ग से भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें पहली मई 2025 तक उसी मार्ग से लौटने की अनुमति दी गई है। भारत ने पाकिस्तान के साथ की गई सिंधु जल संधि को भी तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत ने यह भी घोषणा की कि पाकिस्तान के नागरिकों को अब सार्क वीजा एक्सेम्प्शन स्कीम (एसवीईएस) के तहत भारत यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले से जारी सभी ऐसे वीजा अब अमान्य माने जाएंगे और इस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर रॉबर्ट वाड्रा के बयान को भाजपा ने बताया शर्मनाक

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा के बयान पर सियासी घमासान मच गया है। रॉबर्ट वाड्रा ने घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। भाजपा ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स प्लेटफार्म पर कहा कि अगर कोई इस तरह के इस्लामिक जिहादी हमले को निराधार तर्कों के साथ उचित ठहराने की कोशिश करता है और दावा करता है कि यह किसी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है तो यह शर्मनाक है। इस तरह से कट्टरपंथी जिहाद और आतंकवाद को बचाने की कोशिश

करने से बड़ा दुर्भाग्य कुछ और नहीं हो सकता। ऐसे समय में जब इस तरह के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और एक स्वर में उनकी पहचान की जानी चाहिए, यह निराशाजनक है कि कुछ लोग अभी भी अतार्किक बातों के साथ पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक जिहाद का बचाव कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, कांग्रेस पार्टी और रॉबर्ट वाड्रा इस कहानी में सबसे आगे दिखाई देते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सोनिया गांधी, राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस पार्टी, रॉबर्ट वाड्रा द्वारा किया गया सबसे शर्मनाक, नृशंस बयान है, जो एक तरह से पाकिस्तानी आतंकवादियों का बचाव करने के लिए है। यह बयान इस्लामिक जिहाद के इस अपराध को छिपाने के लिए, उन्हें क्लीन चिट देने और हिंदुओं को दोषी ठहराने के लिए है। पुलवामा हमले के बाद, उन्होंने सुरक्षा बलों को दोषी ठहराया।

अब 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामान पर एक फीसदी लगेगा टीसीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामानों पर अब एक फीसदी स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 फीसदी की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। आयकर विभाग के मुताबिक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें उन विलासिता वस्तुओं की सूची निर्दिष्ट की गई है, जिन पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगाया जाएगा। विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 को जारी अधिसूचना में कहा है कि नए नियम प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे। इसलिए, 22 अप्रैल, 2025 से उल्लिखित विलासिता वस्तुओं से कर वसूला जाएगा।सीबीडीटी ने इस संबंध में दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लग्जरी वस्तुओं की प्रकृति से संबंधित है, जबकि दूसरी अधिसूचना टैक्स की दर और खरीद की सीमा से संबंधित है, जिसके ऊपर कर लगाया जाएगा। आयकर विभाग के मुताबिक यह अधिसूचना कर आधार का विस्तार करने तथा अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य को दर्शाती है। विभाग के मुताबिक 22 अप्रैल से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक फीसदी की दर से टीसीएस की प्रयोज्यता को अधिसूचित किया गया है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 0.40 फीसदी घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया। विश्व बैंक ने पिछले पूर्वानुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई तथा सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके। विश्व बैंक के मुताबिक वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच देश के सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) को घटाने का यह फैसला लिया गया है। टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, भारत में विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.50 फीसदी से घटकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक दिन पहले मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से घटाकर 6.2 फीसदी कर दिया था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

डीएस ग्रुप का अगले पांच साल में 20 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10 हजार करोड़ रुपए का के राजस्व हासिल करते हुए अगले चार से पांच वर्षों में इसको दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 10 हजार करोड़ रुपए के राजस्व के साथ ही यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42 प्रतिशत है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 3 प्रतिशत और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10 प्रतिशत से भी कम है। पिछले तीन वर्षों में डीएस ग्रुप ने 16प्रतिशत की वार्षिक दर से सतत विकास किया है। डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने यह घोषणा करते हुए कहा, 10,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करना सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के विकास में हमारी अहम भूमिका का प्रतीक है। विविध उत्पाद पोर्टफोलियो, गुणवत्ता व नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और देश के सबसे बड़े वितरण नेटवर्क में से एक ने हमें एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी बनाया है।

आईआईटी बॉम्बे और इंडस टावर्स की साझेदारी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी इंडस टावर्स लिमिटेड ने सतत ऊर्जा क्षेत्र में दो परिवर्तनकारी शोध कार्यक्रमों के लिए समझौता किया है।कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि शोध का मुख्य उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की प्रगति का विस्तार करना होगा ताकि भविष्य के लिए और व्यवहारिक समाधान निर्मित किये जा सके। यह कार्यक्रम इंडस टावर्स के मुख्य सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम, प्रगति का एक भाग है। वर्तमान में जब जलवायु संबंधी जरूरतें और ऊर्जा की मांग पूरे विश्व की जरूरतों को परिवर्तित कर रही हैं और पूरा विश्व ऊर्जा की स्वच्छ, नई और हरित पद्धति को तेजी से अपना रही है, नवाचार सिर्फ एक विकल्प ही नहीं बल्कि अब यह एक आवश्यकता है। इंडस टावर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रचुर साह ने कहा, यह साझेदारी उद्योग और शिक्षाविदों के साथ में मिलकर काम करने का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अनुसंधान और नवाचार के द्वारा समस्त विश्व में आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हैं।

देश का नया टेक्सटाइल हब बनेगा छत्तीसगढ़, सीएमएआई के साथ राज्य सरकार का समझौता

एजेंसी

मुंबई/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने नवा रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन संस्थान खोलने की मंजूरी देने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे

छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो 2025 को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया है। इससे छत्तीसगढ़ को वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता केंद्र बनने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही

में हमने कैबिनेट ने नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। इस संस्थान के निर्माण पर 271 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में चांपा की कोसा साड़ियां अपने शिल्प में बेमिसाल हैं। सीएमएआई से एमओयू और निफ्ट की स्थापना से चांपा के कोसा जैसे वस्त्रों की ब्रांडिंग, प्रमोशन में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण स्वरोजगार, तकनीक और कौशल विकास से जुड़ा है। नई औद्योगिक नीति में हमने इन सभी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए टैक्सटाइल सेक्टर से जुड़े एमएसएमई को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हम एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों को विशेष अनुदान दे रहे हैं। एक सौ करोड़ के इन्वेस्टमेंट में 252 करोड़ की प्रतिपूर्ति हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू करने पर विशेष रियायतें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, इज आफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ डूइंग बिजनेस की नीतियों के चलते बहुत तेजी से निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा रही है। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस से अब हम स्पीड और बिजनेस की ओर बढ़ चुके हैं। हमने 350 से अधिक रिफार्म्स किये हैं और निवेश का वातावरण बेहद सहज कर दिया है।

एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.42 करोड़ रुपये का लाभांश भुगतान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड (एजीआईएन) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1 करोड़ 42 लाख 23 हजार 513 रुपये का लाभांश घोषित किया है। एजीआईएन ने अपनी स्थापना के बाद से पहली

बार लाभांश भुगतान किया है। एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत भारत सरकार का उद्यम है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में लाभांश को औपचारिक रूप से प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट उपस्थित थे। 2011 में स्थापित एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड आईसीएआर की वाणिज्यिक शाखा के रूप में कार्य करता है, जो कृषि अनुसंधान और व्यावहारिक कार्यान्वयन को जोड़ता है। एजीआईएन किसानों और उद्यमियों को लाभ पहुंचाने के लिए पूरे भारत में कृषि-प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित करने, उनका मूल्यांकन करने और उन्हें बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में एमएसपी पर 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी पर 22 अप्रैल तक कुल 3.92 लाख मीट्रिक टन तुअर (अरहर) की खरीद की गई है। इससे इन राज्यों के 2,56,517 किसान लाभान्वित हुए हैं। यह जानकारी आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100फीसदी के बराबर मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद को मंजूरी दी है।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2024-25 सीजन के दौरान मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्यों में कुल 13.22 लाख मीट्रिक टन तुअर

(अरहर) की खरीद को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने किसानों के हित में आंध्र प्रदेश में खरीद अवधि को 90 दिनों से आगे 30 दिन बढ़ाकर 22 मई 2025 तक करने को भी मंजूरी दी है। सरकार ने बजट 2025 में यह भी घोषणा की है कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात् नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से 2028-29 तक अगले चार वर्षों के लिए राज्य के उत्पादन का शत-प्रतिशत तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की जाएगी।

एथर एनर्जी का आईपीओ 28 को लॉन्च होगा, 6 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बनाने वाली कंपनियों में से एक एथर एनर्जी 28 अप्रैल को अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली है। यह आईपीओ 28 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए इसकी ओपनिंग 25 अप्रैल को होगी। आईपीओ के तहत 304 से 321 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ क्लोज होने के बाद 2 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा और 6 मई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। मौजूदा वित्त वर्ष में एथर एनर्जी के आईपीओ के रूप में मेनबोर्ड सेगमेंट में पहले आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। एथर एनर्जी अपने आईपीओ के जरिए बाजार से पहले 3,100 करोड़ रुपये इकट्ठा करना चाहती थी। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से भी कंपनी को हरी झंडी मिल गई थी। हालांकि, अब कंपनी ने अपने आईपीओ का साइज घटा कर 2,626 करोड़ रुपये कर दिया है। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के

कारण कंपनी ने अपने आईपीओ के साइज को कम करने का फैसला लिया है। कंपनी के आईपीओ में 1.10 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए भी बेचे जाएंगे। इसके जरिए कंपनी के प्रमोटर तरुण संजय और स्वप्निल समेत कुछ कॉरपोरेट संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। एथेर एनर्जी में फिलहाल 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी हीरो मोटोकॉर्प के पास भी है, जिसने स्पष्ट किया है कि आईपीओ में वो अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगी। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र में नई फैक्ट्री लगाने, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के काम को तेज करने, पुराने कर्ज को अदा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। एथर एनर्जी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बैट्री पैक और इससे संबंधित सॉफ्टवेयर सिस्टम का निर्माण और असेंबलिंग का काम करती है।

डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर बने निगेटिव सेंटिमेंट्स के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में 21 पैसे की कमजोरी के साथ 85.42 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज के करोबार के दौरान 32 पैसे तक कमजोर हो गई थी, लेकिन बाद में डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया डॉलर की तुलना में 11 पैसे की रिकवरी करके बंद होने में सफल रहा। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 85.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ 85.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 85.53 के स्तर

तक भी आ गया था, लेकिन इसके बाद शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा आक्रामक अंदाज में खरीदारी करने की वजह से डॉलर की आवक बढ़ गई, जिसके कारण रुपया निचले स्तर से 11 पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ 113.80 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 35 पैसे की मजबूती के साथ 97.53 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि आयातकों की बढ़ती मांग की वजह से डॉलर की मांग जरूर बढ़ गई है, लेकिन स्टॉक मार्केट से रुपये के लिए सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के लगातार बढ़ रहे निवेश से इस बात की भी उम्मीद बनी है कि आने वाले दिनों में रुपया पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के साथ कारोबार करता हुआ नजर आएगा। सबसे बड़ी बात ये है कि डॉलर इंडेक्स लगातार कमजोरी का प्रदर्शन कर रहा है। ऐसी स्थिति में रुपये की कीमत को सहारा मिलने की उम्मीद बन गई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ रही कीमत के कारण ऑयल इंपोर्ट बिल बढ़ सकता है। इसका प्रतिकूल असर रुपये पर पड़ने वाले दबाव के रूप में भी नजर आ सकता है।

डीपीआईआईटी ने चार राज्यों में 14,096 करोड़ रुपये की मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में स्थित मेगा बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा की। इन आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में आधारभूत ढांचा संबंधी वृहत परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। परियोजना निगरानी समूह के तत्वावधान में आयोजित इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान 17 महत्वपूर्ण परियोजनाओं में 19 मुद्दों की समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं की कुल लागत 14,096 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बैठक के दौरान अंतर-मंत्रालयी और अंतर-राज्य समन्वय को बढ़ाकर कार्यान्वयन चुनौतियों के त्वरित समाधान पर अधिक ध्यान दिया गया। बैठक में जिन प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई उनमें जौनपुर-अकबरपुर सड़क परियोजना को चार लेन का बनाना शामिल है, जिसकी लागत 3,164.72 करोड़ रुपये है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लखटकिया होने का गौरव हासिल करने बाद से ही सोने की कीमत में लगातार करेक्शन हो रहा है। आज भी सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये से लेकर 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,050 रुपये से लेकर 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने

की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार 7वें दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की शानदार रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार 7वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। इस मजबूती के कारण सेंसेक्स आज 18 दिसंबर, 2024 के बाद पहली बार 80 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि, बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया, लेकिन दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में लगातार लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.27 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,089 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,567 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग का एएयूएम सालाना आधार पर 21.32 फीसदी बढ़ा : इक्रा

कोलकाता।घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग की औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति (एएयूएम) ने मार्च 2025 को समाप्त अवधि में सालाना आधार पर 21.32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि मासिक आधार पर इसमें 1.25 प्रतिशत की गिरावट आई है। इक्रा एनालिटिक्स लिमिटेड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफऔर अन्य ईटीएफ श्रेणियों ने सबसे अधिक बढ़त दिखाई, जिनमें क्रमशः 89.88 प्रतिशत और 15.06 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत अन्य श्रेणियों में एएयूएम में गिरावट देखने को मिली। विकास/इक्विटी-उन्मुख योजनाएं कुल एएयूएम में 53.72 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहीं जबकि ऋण-उन्मुख योजनाएं 15.06 प्रतिशत और लिक्विड योजनाएं 13.21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पीछे रहीं। राज्यवार विश्लेषण में महाराष्ट्र ने 40.64 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक योगदान दिया।

इसके बाद नई दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल शामिल रहे। हालांकि इन राज्यों का योगदान 10 प्रतिशत से कम रहा। शीर्ष पांच राज्यों का कुल योगदान 65 प्रतिशत से अधिक रहा।

भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) के अनुमान को घटाकर 6.2-6.7 फीसदी किए जाने के बावजूद भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बना रहेगा। वित्त मंत्रालय नेजारी एक बयान में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास पूर्वानुमानों में गिरावट के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि में अपना नेतृत्व बनाए रखने के लिए तैयार है। मंत्रालय ने कहा, बुनियादी ढांचे, नवाचार और वित्तीय समावेशन में सुधारों के साथ भारत ने वैश्विक आर्थिक गतिविधि के प्रमुख चालक के रूप में अपनी भूमिका को बढ़ाना जारी रखा है। मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा टैरिफ युद्ध और अमेरिकी व्यापार नीति पर अनिश्चितता के बीच अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमानों में 0.5 फीसदी तक की कटौती की है। हालांकि, देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि अगले दो वित?त वर्षों में भारत सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। आईएमएफ के वर्ल्ड इकॉनोमिक आउटलुक के अप्रैल 2025 संस्करण के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2 फीसदी और 2026-27 में 6.3 फीसदी की दर बढ़ने की उम्मीद है, जो वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर मिलती-जुलती अर्थव्यवस्था वाले देशों पर ठोस बढ़त बनाए रखेगा। आईएमएफ ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर को बहुत कम 2025 में 2.8 फीसदी और 2026 में 3.0 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो भारत के असाधारण बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।इसके अलावा आईएमएफ ने अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने विकास दर के अनुमान को भी संशोधित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025 के लिए चीन के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को घटाकर 4.0 फीसदी कर दिया गया है, जो विश्व आर्थिक परिदृश्य के जनवरी 2025 संस्करण में 4.6 फीसदी से कम है। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मंदी की आशंका है, आईएमएफ ने इसकी वृद्धि को घटाकर 1.8 फीसदी कर दिया है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन संशोधनों के बावजूद भारत की मजबूत विकास गति इसे वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी की ओर जाने, चीन की वृद्धि दर में भारी गिरावट आने तथा वैश्विक स्तर पर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मंदी आने की संभावना के बावजूद भारत की चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.2-6.7 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा है कि मजबूत बुनियादी ढांचे और रणनीतिक सरकारी पहलों के समर्थन से देश आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है।

शरवरी वाघ

नहीं, रणवीर सिंह की फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस की एंट्री! कब और कहां होगा शूट? पता लग गया

रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं. हाल ही में पता लगा था कि उन्होंने 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है. इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे. यहां एक फिल्म का काम पूरा हुआ, तो दूसरी ओर 'डॉन 3' को लेकर नया अपडेट आ गया. कियारा आडवाणी के फिल्म से एग्जिट के बाद से ही नई फीमेल लीड की तलाश की जा रही थी. बीते दिनों शरवरी वाघ का भी नाम सामने आया था. लेकिन अब मेकर्स ने एक नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस को फाइनल कर लिया है.

पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि कृति सेनन की फिल्म में एंट्री हो गई है. वो डॉन 3 में बतौर फीमेल लीड नजर आएंगी. वो इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस को फिल्म 'मिमी' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था. हालांकि, पहले इस रोल के लिए शरवरी वाघ का नाम सामने आ रहा था.

रणवीर सिंह की 'डॉन 3' में किसकी एंट्री ?

रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन की फिल्म में एंट्री होने की खबरें हैं. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि वो दो हफ्ते के अंदर इस फिल्म के लिए साइन कर देंगी.

फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव टीम 'डॉन 3' में एक एक्सपीरियंस एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं. उनके मुताबिक, कृति सेनन इस प्रोजेक्ट के लिए बिल्कुल सही हैं. उनके पास स्क्रीन पर रोमांटिक किरदार निभाने का एक्सपीरियंस भी है. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस भी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं.

इसके अलावा फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' के लिए लोकेशन की तलाश भी कर ली है. वो पहले ही इस काम को पूरा कर चुके थे. जल्द ही इंटरनेशनल स्टंट टीम के साथ एक्शन ब्लॉक पर बैठेंगे. दरअसल 'डॉन 3' को बड़े लेवल पर यूरोप में शूट किया जाएगा. साथ ही लोकेशन पहले ही तय हो चुकी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है. अब बस एक्शन डिजाइन के साथ-साथ थोड़ी पॉलिशिंग करना बाकी रह गया है. हालांकि, प्री-प्रोडक्शन वर्क फिलहाल अगले कुछ महीनों तक चलने वाला है. टीम का प्लान है कि अक्टूबर या नवंबर 2025 तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके.

इस फिल्म का शूट किया पूरा

'डॉन 3' का काम शुरू करने से पहले कृति सेनन ने अपनी एक फिल्म का शूट पूरा कर लिया है. आनंद एल राय के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'तेरे इश्क में' वो दिखने वाली हैं. हालांकि वो नई नवेली के लिए भी चर्चा में हैं. कहा जा रहा है कि उन्हें हॉरर फिल्म के लिए फाइनल किया जा सकता है, जो साल 2026 में रिलीज की जाएगी.

पत्रलेखा से पहले किस लड़की पर फिदा थे राजकुमार राव? उसके चक्कर में 25 लड़कों ने कर दी थी एक्टर की पिटाई

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए फैंस को कई बार अपना मुरीद बनाया है. उन पर लाखों लड़कियां भी फिदा हैं. लेकिन सालों पहले राजकुमार अपनी फीमेल फैंस का दिल तोड़ चुके थे, जब उन्होंने एक्ट्रेस पत्रलेखा से शादी कर ली थी.राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक दूसरे को डेट करने के बाद नवंबर 2021 में शादी रचा ली थी. दोनों की शादी को तीन साल पूरे हो चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि पत्रलेखा पर जान छिड़कने से पहले राजकुमार किस पर फिदा थे ? तो इसका जवाब है वो अपनी क्लासमेट को पसंद करते थे. लेकिन स्कूल की उस लड़की के चक्कर में एक बार राजकुमार राव की 25 लड़कों ने मिलकर पिटाई कर दी थी.

क्लासमेट पर आया था राजकुमार का दिल

राजकुमार राव 11वीं क्लास के दौरान गुरुग्राम में मॉर्डन फैंसी ब्लू बेल्स स्कूल में पढ़ाई करते थे. राजकुमार ने एक दिन अपनी क्लास की एक लड़की को फुटबॉल खेलते देखा तो वो उस पर दिल हार बैठे थे. हालांकि उस लड़की का पहले से ही एक बॉयफ्रेंड था.

25 लड़कों ने की थी राजकुमार की पिटाई

जब उस लड़के को ये बात पता चली कि राजकुमार राव उसकी गर्लफ्रेंड पर डोरे डाल रहे हैं तो वो लड़का भड़क गया. इसके बाद गुस्से में उसने 25 लड़कों को बुला लिया था. उन लड़कों ने मिलकर राजकुमार की पिटाई कर दी थी. लेकिन मार खाते राजकुमार को सिर्फ एक ही टेंशन थी. पिटाई के दौरान राजकुमार उन लड़कों से एक ही अपील करते रहे कि मुझे चेहरे पर न मारे क्योंकि मुझे एक्टर बनना है. ये किस्सा खुद राजकुमार ने अपने एक इंटरव्यू में शेयर किया था.

'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे राजकुमार

राजकुमार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री 2' के जरिए काफी चर्चाओं में रहे. राजकुमार और श्रद्धा कपूर की इस फिल्म ने भारत में रीब 600 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 857 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब राजकुमार फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाले हैं.

इस फिल्म को देखते ही रोने लगा था अजय देवगन का बेटा युग, फिर मार दिया था 'सिंघम' को थप्पड़

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. उन्होंने बड़े पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाए हैं. अजय के करियर में एक फिल्म ऐसी भी रही जिसे देखने के बाद उनका बेटा युग देवगन रोने लगा था. इतना ही नहीं तब युग ने पिता अजय देवगन को थप्पड़ भी मार दिया था.जिस फिल्म को देखने के बाद अजय देवगन के बेटे युग के आंसू छलक पड़े थे उसका नाम है 'गोलमाल अगेन'. साल 2017 में आई इस फिल्म को अजय देवगन एक बार अपनी फैमिली के साथ बैठकर देख रहे थे. तब परिणीति चोपड़ा के किरदार की मौत के बाद युग इमोशनल हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ

गए थे.

युग ने अजय को मारा था थप्पड़

अजय देवगन अपने दोनों बच्चों बेटे युग और बड़ी बेटी नीसा देवगन को बेहतर परवरिश देने के लिए जाने जाते हैं. इंडस्ट्री में अजय को 'बेस्ट पिता' के रूप में भी जाना जाता है. उनका अपने दोनों ही बच्चों के साथ खास बॉन्ड है. लेकिन ऐसा क्या हुआ था जो युग ने अजय को गोलमाल अगेन देखते हुए अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मार दिया था.

अजय देवगन से एक इंटरव्यू के दौरान बेटे युग को लेकर कोई किस्सा शेयर करने के लिए कहा गया था. इस पर उन्होंने बताया था कि गोलमाल अगेन देखने के दौरान जब परिणीति के किरदार की मौत हुई तो युग रोने लगा था और बाकी सब हंस रहे थे. अभिनेता ने कहा, वे जोर से हंसे. काजोल हंसना बंद नहीं करती हैं. मेरा बेटा सेकेंड हाफ में रोया, दो बार और उसने मुझे भी थप्पड़ मारा. परी (परिणीति चोपड़ा) की मौत पर उसके आंसू लुढ़क रहे थे. वो मेरी गोद में बैठा था और मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ और उसने मुझे सिर्फ यह कहते हुए एक दिया कि 'मुझे रोते हुए मत देखो'. यह बहुत मजेदार है. यहां तक कि मेरे साथ घर के लोग भी इस पर हंसते हैं.

2010 में हुआ था युग का जन्म

अजय और काजोल ने साल 1999 में शादी की थी. 2003 में दोनों ने बेटी नीसा देवगन का वेलकम किया था. वहीं युग का जन्म सितंबर 2010 में हुआ था. युग 14 साल के हो चुके हैं.

रणबीर कपूर बाप बहुत अच्छा है...

आलिया भट्ट

के सौतेले भाई राहुल भट्ट का दावा

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जब से माता-पिता बने हैं दोनों अपनी बेटी राहा से कसे जुड़े किस्से सभी के साथ शेयर करते रहते है. रणबीर अपनी बेटी राहा के साथ खास बॉन्ड शेयर करते हैं. आलिया भी इस बात का खुलासा कर चुकी हैं कि राहा के साथ रणबीर बिल्कुल बदल जाते हैं. अब आलिया भट्ट के सौतेले भाई और महेश भट्ट के बेटे राहुल भट्ट ने हाल ही में पिंकविला के हिंदी रश के साथ एक खास बातचीत की है. उन्होंने रणबीर के अच्छे पिता होने के लिए उनकी तारीफ भी की.राहुल भट्ट से रणबीर कपूर के बारे में उनकी राय और उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में खुद को ट्रेंड करने के तरीके के बारे में पूछा गया. इसके जवाब में उन्होंने कहा, रणबीर एक बेहतरीन पिता हैं. मुझे लगता है कि यही सबसे महत्वपूर्ण बात है. एक आदमी कोज मैं उनका इस तरह सम्मान करता हूं. जब उनसे उनके एक्टिंग स्किल्स के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, एक्टिंग ? पता नहीं मुझे ये सब कुछ समझ में नहीं आता हैज एक्टिंग कौन है, एक्टर कौन है, एनिमल कौन है, कपूर कौन है ? मेरे को कुछ फ़र्क नहीं पड़ता.

बाप अच्छा है बस - राहुल भट्ट

बाप अच्छा है बसज्मैं सम्मान करता हूंज्बाप बहुत अच्छा हैज्अपनी बच्ची से बहुत प्यार करता है और मेरे लिए उससे अच्छा कोई चीज मायने नहीं रखती है लाइफ में ये बाकी नाम. शोहरत, एनिमल वेनिमल आएगा जाएगा घूम फिर के बात आती है वह एक अच्छा पिता हैज्वह मेरी सौतेली बहन का सम्मान करता है बस बाकी सब सप्लीमेंटल है. इसके अलावा, उन्होंने यह भी याद किया कि जब वह एनिमल की तैयारी कर रहे थे, तब रणबीर कपूर ने उनसे सलाह मांगी थी.

रणबीर कपूर ने मांगी थी सलाह

राहुल ने कहा एनिमल की तैयारी के दौरान, उनके पास कुछ सवाल थे. वह हथियारों की ट्रेनिंग के लिए अबू धाबी जा रहे थे और उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या यह एक अच्छी जगह है. वह ह्यूमन कंडीशन के बारे में बहुत ईमानदार और जिज्ञासु हैं. मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह एक बच्चे थे. वह बॉम्बे स्कॉटिश गए थे और मैं आर्य मंदिर में था. सबसे इंप्रेसिव बात ये है कि वह एक बेतरीन पिता हैंज्बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता.